RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 323 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शुक्रवार 9 सितंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

चले अपने धाम

बैंड बाजा और जयकारों के साथ विदा हुए गणपति बप्पा

घर की बाल्टी से लेकर तालाबों और नदी में विजर्सिज हुई प्रतिमाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

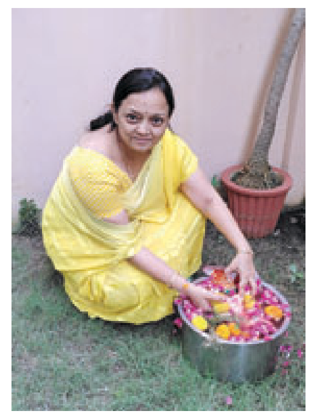

भिलाई। 11 दिनों तक हमारे बबीज विराजे विघ्न विनाशक भगवान गणेश की विदाई भक्तों ने धूमधाम से की। ढोल-नगाड़े के संग रंगगुलाल उड़ाते भक्तों ने गणेश जी के जयकारे लगाए। अगले बरस जल्दी आने की कामना के साथ भक्तों ने उन्हें विदा किया। अनंतचतुर्दशी के दिन शुक्रवार को सुबह से ही शुरु हो गया। छोटे बच्चों के लेकर महिलाओं और युवाओं ने मिलकर अपने प्यारे गणपति को विदा करने से पहले उनके कान में अपनी मनोकामना भी कही। शहर में कई लोगों ने प्रतिमा को नदी या तालाब में विसर्जित करने की बजाए घर पर ही पानी के टब में विसर्जन किया। ताकि मिट्टी की प्रतिमा पानी में घुल जाए और नदी,तालाब प्रदूषण से बचे रहे। अपने प्यारे गन्नू महाराज को विदा करने लोग नदी, तालाब तक पहुंचे। इधर प्रतिमा की साइज भी छोटी होने के कारण नदी किनारे भी विसर्जन को लेकर ज्यादा दिक्कत नहीं हुई।

घरों पर भी विसर्जन

कई लोगों ने नदी और तालाब को प्रदूषण से बचाने घर पर ही विसर्जन किया। रिसाली निवासी सुमिता सिंह एवं उनके परिवार ने अपने घर के गणपति का घर में ही विर्सजन किया। उन्होंने बताया कि वे कई वर्षो से घर पर ही प्रतिमा का विसर्जन कर रहे हैं। जिसके बाद घुली मिट्टी में वे सुगंधित फूल के पौधे लगाते हैं ताकि गणपति वर्षभर उनके साथ रहें।

जगह-जगह भंडारा

अनंत चतुर्दशी के दिन हवन के बाद अधिकांश पंडालों में महाभंडारे का आयोजन किया गया। सेक्टर 6 के पुलिस ग्राउंड में सुबह हवन हुआ और दोपहर 2 बजे के बाद भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वही सेक्टर 2 के न्यू आजाद गणेश उत्सव समिति के पंडाल में शुक्रवार शाम को हवन होगा और शनिवार को महाभंडारा रखा गया है।

विशेष: आध्यात्मिक शक्ति के साथ अब प्रशासनिक शक्ति का केन्द्र भी बनेगा नवगठित जिला सक्ती

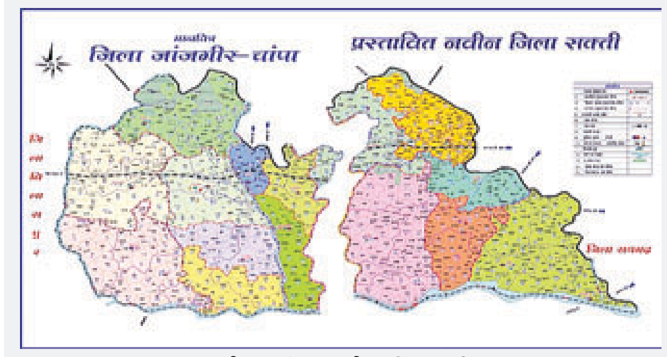

जी.एस. केशरवानी, सचिन शर्मा

धार्मिक और आध्यात्मिक शक्ति के केन्द्र के रूप में स्थापित सक्ती जिला अब प्रशासनिक शक्ति के केन्द्र के रूप में उभरने जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 15 अगस्त 2021 सक्ती को एक नये जिले के रूप में गठन की घोषणा की थी। यह घोषणा आज 9 सितम्बर को मूर्त रूप लेने जा रही है। सक्ती जिले के गठन के लिए प्रकाशित की गई अधिसूचना में जांजगीर-चांपा के उपखंड सक्ती, डभरा एवं मालखरौदा तथा तहसील सक्ती, मालखरौदा, जैजैपुर, बाराद्वार, डभरा तथा अड़भार को शामिल करते हुए नवीन जिला ''सक्ती'' का सृजन किया गया है। यह छत्तीसगढ़ का 33वां जिला होगा।

सक्ति जिले के नामकरण के संबंध में किवदंती है कि यह क्षेत्र सम्बलपुर राजघराने के अधीन था। किवदंती के अनुसार यहां के गोंड राजाओं ने दशहरे के दिन लकड़ी के तलवार से भैंसों का वध कर शक्ति का प्रदर्शन किया। किवदंती के अनुसार यहां की भूमि शक्ति से ओतप्रोत है और बाद में इसे 'सक्ती' के रूप में कहा जाने लगा है। इस प्रदर्शन से सम्बलपुर के राजा द्वारा प्रसन्न होकर इसे एक स्वतंत्र रियासत का दर्जा दिया गया। सक्ती रियासत छत्तीसगढ़ के प्रमुख गढ़ में से एक है। मध्यप्रदेश के जमाने में यह सबसे छोटी रियासत थी। मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ बनने के लगभग 22 वर्ष पश्चात इस क्षेत्र को एक नये जिले के रूप में पहचान मिलने जा रहा है।

सक्ती जिला जल संसाधन की दृष्टि से समृद्ध है। यहां महानदी, सोन और बोरई प्रमुख नदियां है। इस जिले की जलवायु खेती-किसानी के लिए उपयुक्त है। यहां लगभग 94 प्रतिशत भूमि सिंचित है। जो राज्य के अन्य जिलों से काफी अधिक है। यहां मुख्य रूप से धान की फसल ली जाती है इसके अलावा यहां गेहूं, चना, अरहर, मूंग आदि की फसल भी होती है। मिनी माता बांगो बांध से निकाली गई नहर से पूरे क्षेत्र में सिंचाई होती है। सक्ती और आसपास का क्षेत्र द्विफसलीय क्षेत्र बन गया है। पूरे अंचल में भरपूर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने के कारण यहां के किसान उद्यानिकी फसलों के साथ-साथ मसालों की खेती की की ओर भी तेजी से अग्रसर हो रहे है।

सक्ती जिला खनिज संसाधन से भी परिपूर्ण है। यहां डोलोमाइट भरपूर भंडार है। इसमें देश के 'डोलामाइट हब' के रूप में उभरने की व्यापक संभावनाएं हैं। यहां उत्पादित डोलोमाइट खनिज का उपयोग भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर स्टील प्लांट के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित स्टील प्लांटों में किया जाता है। हाल में ही छत्तीसगढ़ डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा 460 हेक्टेयर जमीन डोलोमाइट खदान के लिए स्वीकृति मांगी गई है। वर्तमान में यहां 16 खदानों का संचालन किया जा रहा है तथा 15 खदानें खनन अनुमति के लिए प्रक्रियाधीन है। यहां सूक्ष्म मात्रा में लाइम स्टोन और नदियों के किनारे रेत का भी उत्खनन होता है।

सक्ती जिले के आध्यात्मिक और धार्मिक स्थलों में अड़भार का मुख्य स्थान है। यहां अष्टभुजी देवी की मूर्ति विराजमान है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। नवरात्रि में यहां आने वाले श्रद्धालुओं का मेला लगा रहता है। देवी की आराधना के लिए यहां अन्य प्रदेशों से भी श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। यह स्थान छत्तीसगढ़ के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है। यहां आने पर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शक्ति का अहसास होता है। इसीलिए यह स्थान दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। अष्टभुजी की आदमकद प्रतिमा का सौंदर्य विलक्षण है।

कलकत्ता की काली माता की तरह अड़भार की अष्टभुजी की दक्षिणमुखी प्रतिमा है। अष्टभुजी मंदिर और इस नगर के चारों ओर विशाल दरवाजों के वजह से इसका प्राचीन नाम अष्टद्वार था, जो बाद में अपभ्रंश के कारण अड़भार हो गया। इसी तरह धार्मिक पर्यटन स्थलों में चंद्रहासिनी देवी का मंदिर भी विशिष्ट है। इसके अलावा रेनखोल और दमउदरहा जैसे मनोरम पर्यटन स्थल है। सक्ती रेलवे स्टेशन से लगभग 14 मील दूर गुंजी नामक गांव है, जहां प्राचीन शिलालेख मिलता है, जो पाली भाषा में लिखा गया है और संभवत: है प्रथम शताब्दी का है। महाभारत काल में इस स्थान का उल्लेख ऋषभ तीर्थ के रूप में मिलता है।

जिला मुख्यालय सक्ती बम्बई-हावड़ा मुख्य रेल लाइन पर स्थित है। यह व्यापार और वाणिज्य का केन्द्र भी है। यहां कृषि और खनिज आधारित अनेक उद्योगों की भरपूर संभावना है। यहां दो पावर प्लांट, राइस मिल, कृषि उपकरण के उद्योग सहित कोसा वस्त्रों की बुनाई का काम भी किया जाता है। जिला बनने के साथ ही यहां के आद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वहीं लोगों को कई प्रकार की प्रशासनिक सुविधा मिलेगी। प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण से जहां शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं का लाभ लोगों को आसानी से मिलेगा। वहीं लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप यहां का विकास होगा।

खास खबर...

बीएसपी की बड़ी कार्रवाई, पावर हाउस आईटीआई के पास पांच अवैध बंगलों को किया सील

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग ने अतिक्रमण के खिलाफ शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवार अल सुबह नगर सेवा विभाग के अधिकारियों ने पावर हाउस आईटीआई के पास बीएसपी की जमीन पर बने पांच अवैध बंगलों को सील कर दिया है। नगर सेवा विभाग ने पर्चा चस्पा करते हुए लिखा है कि यह बंगला बीएसपी की जमीन पर बना है। इस जमीन का मालिकाना हक बीएसपी के पास है। अगर किसी ने भी गेट का ताला खोलने की कोशिश की तो उसके खिलाफ थाने में नामजद एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। तुरंत बेदखली की कार्रवाई की जाएगी।

बीएसपी नगर सेवा विभाग की आज तड़के हुई कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति है। इसे देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस के जवान क्षेत्र में तैनात कर दिए गए हैं ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। बता दें कि ये पांचों बंगले नेशनल हाइवे एनएच 53 के किनारे बने हुए हैं। जिस भूमि पर यह बंगला बना है बीएसपी का कहना है यह उसकी भूमि है। जिस पर अवैध कब्जा किया गया इस कार्रवाई के दौरान बीएसपी अधिकारियों के साथ एसडीएम और ओए अध्यक्ष एनके बंछोर भी मौजूद थे।

आज भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सिस्टम बन रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के बस्तर और दुर्ग संभाग के जिलों में भारी वर्षा की संभावना बन रही है। एक-दो स्थानों पर वज्रपात की भी आशंका है। प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बरसात होने की संभावना है। पखवाड़ेभर से प्रदेश में खंड वर्षा हो रही है। मानसून के एक बार फिर सक्रिय होने से भारी बारिश की संभावना बन रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

शंखों की ध्वनि और पुष्प वर्षा से मुख्यमंत्री का ऐतिहासिक स्वागत

प्रदेश का 33 वें जिले में मुख्यमंत्री के रोड़ शो में उमड़े लाखों लोग

- पीएस ध्रुव बने पहले कलेक्टर, टीआर कोशिमा पहले एसपी
- छत्तीसगढ़ी व्यंजन से तोला तो कही चांदी के मुकुट के साथ तलवार भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी- भरतपुर जिले के कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय का लोकार्पण किया। यहां कलेक्टर पीएस ध्रुव और एसपी टीआर कोशिमा को पदभार भी ग्रहण कराया। 11 पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार और शंखों की ध्वनि के बीच कलेक्टोरेट का उद्घाटन हुआ। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री श्ताम्रध्वज साहू, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया और कोरबा की सांसद ज्योत्सना महंत एवं कोरिया जिले के तीनों विधायक भी उपस्थित थे। सबसे पहले सीएम बघेल ने बटन दबाकर कलेक्ट्रेट के बोर्ड का अनावरण किया और नए कलेक्टोरेट परिसर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कलेक्टर पी.एस. ध्रुव ने कार्यभार ग्रहण किया। वही एसपी कार्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री बघेल को पुलिस बैंड ने जनरल सेल्यूट की धुन बजाकर सलामी दी। यहां भी पूजन के बाद सीएम बघेल ने बटन दबाकर एवं फीता काटकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय का शुभारंभ किया। यहां उन्होंने एसपी कोशिमा को पदभार ग्रहण कराया और उन्हें बधाई दी।

उमड़े लाखों लोग

नया जिला बनने के बाद सीएम बघेल का आऱभार जताने लाखों लोग उमड़े। चौक-चौराहों पर अलग-अलग तरीसे से उनका स्वागत किया गया। मनेंद्रगढ़वासियों ने जहां छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से उन्हें तौला।ढोल-नगाड़ों की धुन पर थिरकते छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को चांदी का मुकुट और तलवार भेंट की। करीब पांच किलोमीटर के रोड शो में लाखों की उमड़ी। हर कोई उनका आभार जता रहा था।

शहर के चौक-चौराहों को संवारेंगे उद्योगपति सबसे पहले छावनी चौक का सौंदर्यीकरण

मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत करेंगे काम,महापौर नीरज पाल ने ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत अब शहर के उद्योग संचालक भी सामने आ रहे हैं। शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए महापौर नीरज पाल के साथ छावनी इंडस्ट्रीयल बेल्ट के उद्योग संचालकों की बैठक हुई। इस बैठक में आयुक्त लोकेश चंद्राकर एवं अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, उद्योग जगत से रविशंकर मिश्रा, श्याम अग्रवाल, रितेश, हरीश मुदालियार, अनिल गुप्ता एवं रतन दास आदि मौजूद रहे। बैठक में महापौर ने कहा कि मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत हमें अपने शहर को सौंदर्यीकरण की दिशा में आगे ले जाने के लिए कदम बढ़ना होगा और कहीं ना कहीं से इसकी शुरुआत करनी होगी। उन्होंने कहा कि शहर के सौंदर्यीकरण के लिए उद्योग संचालकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। छोटे-छोटे निर्णय लेकर बड़े कार्य पूर्ण किए जा सकते हैं। उद्योग संचालकों ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि छावनी चौक से सौंदर्यीकरण की शुरुआत की जाएगी इसके लिए प्लानिंग तैयार कर इस पर अमल किया जाएगा। संचालकों ने कहा कि शहर के सुंदरता के लिए हम सदैव तत्पर है।

स्वयं भी करें स्थल चयन

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने कहा कि हम अपने-अपने क्षेत्रों के स्थलों का चयन सुंदरता के लिए कर सकते हैं, सभी की सहभागिता से यह कार्य संभव है, भिलाई शहर में जहां भी सौंदर्यीकरण के लिए चाहे रास्ते खुले हुए है। उद्योग संचालकों ने कुछ समस्याओं से अवगत भी कराया। उन्होंने कहा कि निगम से नल कनेक्शन दिला दिया जाए तथा अवैध कब्जे न हो इसके भी व्यापक इंतजाम किए जाए। निगम आयुक्त एवं अपर आयुक्त ने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा ऐसे कार्यों के लिए समन्वय बनाकर हर संभव सहयोग किए जाएंगे, उन्होंने इस बाबत तत्काल जोन आयुक्त को निर्देश भी दिए।

जोन आयुक्त को दी जम्मेदारी

शिवाजी नगर के जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा उद्योग संचालकों के साथ बैठक कर शहर सौंदर्यीकरण के लिए रूपरेखा तैयार करेंगे और शीघ्र ही इस पर उद्योग संचालकों के द्वारा अमल किया जाएगा। मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत हुई बैठक बहुत ही महत्वपूर्ण रही। उद्योग संचालक भी शहर की सुंदरता को लेकर सक्रिय भूमिका में नजर आए। बैठक में एमआईसी मेंबर संदीप निरंकारी, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, महापौर के निज सचिव वसीम खान, स्टेनो टू अपर आयुक्त संजय शर्मा विशेष रूप से मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में सीएम का चेहरा कौन, सवाल सुनते ही मीडिया पर बिफरी भाजपा प्रदेश प्रभारी, उलटा पूछने लगी सवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर बड़े नेताओं तक का जमावड़ा लगा है। इसी कड़ी में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दौरे से पहले भाजपा प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी मीडिया से रूबरू हुई। मीडिया ने जब उनसे पूछा कि छत्तीसगढ़ भाजपा का सीएम पद का चेहरा कौन होगा ? इस सवाल को सुनकर भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी की आवाज तेज हो गई। उन्होंने मीडिया से ही सवाल पूछ लिया, वो बोलीं- देखिए ये बार बार ये प्रश्न उठाते हैं, कांग्रेस का चेहरा कौन होगा कभी टीएस, कभी साहू वोट के लिए ताम्रध्वज होंगे, उनसे जाकर पूछिए, मैं हर बार कह चुकी हूं, हमारा हर कार्यकर्ता हमारा चेहरा है। जब ये जवाब डी पुरंदेश्वरी ने दिया तब बीते 15 सालों से छत्तीसगढ़ के चुनावों में भाजपा का चेहरा रहे पूर्व सीएम डॉ. रमन मुस्कुराते रहे।

दरअसल 9 अगस्त शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रायपुर आ रहे हैं। इसकी तैयारियों का जायजा लेने, डी. पुरंदेश्वरी, डॉ.रमन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत और संगठन के प्रदेश सह प्रभारी नीतिन नबीन साइंस कॉलेज मैदान पहुंचे थे। इसी मैदान में नड्डा बड़ी कार्यकर्ता सभा को संबोधित करेंगे। तैयारियों के बीच मीडिया से इन नेताओं ने जेपी नड्डा के कार्यक्रम और प्रदेश के सियासी मुद्दों पर बात की।

कांग्रेस की भारत जोड़ो पर कसा तंज

प्रदेश भाजपा प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- पहले देश को तोडऩे वाली कांग्रेस ही हैं। 370 कौन लेकर आया था। हटाने का काम तो हमने किया, भारत को हमने जोड़ा। कांग्रेस को चाहिए कि वो पहले कांग्रेस को जोड़ लें, उनके वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। दरअसल कांग्रेस देशभर में भारत जोड़ो यात्रा कर रही है, राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा कर रहे हैं।

महिला पटवारी ने मांगी रिश्वत कलेक्टर ने किया निलंबित

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के पास राजस्व विभाग की पटवारी इन्द्रा मनोचा के विरुद्ध भ्रष्टाचार का प्रकरण सामने आया। पटवारी हल्का नंबर 50 तहसील व जिला दुर्ग में पदस्थ इस पटवारी के द्वारा रिश्वत मांगे जाने का ऑडियो और वीडियो क्लिप शिकायतकर्ता के द्वारा प्रस्तुत किया गया है। प्रथम दृष्टया में यह आरोप सत्य प्रतीत हो रहा है। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए, वस्तुस्थिति का संज्ञान लिया और तुरंत दोषी पटवारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस अवसर पर उन्होंने अन्य शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कार्य को कर्तव्य एवं निष्ठा के साथ करें। उन्होंने कड़े लहजे में कहा क शासकीय कर्मचारी व प्रशासनिक अमला आमजन की सेवा के लिए है, इसलिए प्रत्येक शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी का कर्तव्य है कि वह आम नागरिकों को यह सेवा बिना किसी बाधा के मुहैया कराये और नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण करे।

गणेश पंडाल में हुआ दिलदहला देने वाला हादसा, झूले से गिरा युवक, गंभीर अवस्था में आईसीयू में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

वीडियो हो रहा वायरल

सेक्टर 1 गणेश पंडाल में हुए हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। युवक की हालत देखकर झूला झुलने के शौकीन लोगों के रोंगटे खड़े हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। मीना बाजार में लगाए गए झूलों में सेफ्टी मानकों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है।

भिलाई। मिनी इंडिया भिलाई में इन दिनों गणेश उत्सव की धूम है। इसी बीच सेक्टर 1 सीजी मिरर्स गणेश उत्सव समिति पंडाल में एक बड़ा हादसा हो गया। पंडाल के मीना बाजार में झूले से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे खून से लथपथ हालत में तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बने हुए है। मिनी जानकारी के अनुसार युवक ब्रेक डांस झूले के फ्लोर पर खड़ा था। इसी बीच अचानक अपने आप झूला चलने लग गया। जिसकी चपेट में आकर युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। युवक के सिर, हाथ-पैर में गहरी चोट लगी है। वह हादसे के बाद बेहोश हो गया। झूले के पास खड़े युवकों ने उसे फ्लोर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। फ्लिहाल इस मामले में समिति के सदस्य चुप्पी साधे हुए है।

संपादकीय

सियासी चंदे का खेल

राजनीति और चुनाव के नाम पर जो अंधेरगर्दी रही है, उस पर से आयकर विभाग ने परदा कुछ हटा दिया है। राजनीतिक दलों की आड़ में बहुत कुछ ऐसा होता आया है, जिस पर चुनाव आयोग या सरकार की निगाह नहीं थी। आयकर विभाग ने दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा और कर्नाटक में करीब 205 ठिकानों पर छापे मारे हैं और अनेक कथित राजनीतिक दलों का भंडाफोड़ किया है। यह शर्मनाक बात है कि झुग्गियों, गुमटियों से भी राजनीतिक दल चल रहे हैं और करोड़ों रुपये के वारे-न्यारे कर रहे हैं। आयकर अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक ऐसी पंजीकृत, पर गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी का पता लगाया, जो घड़ी मरम्मत करने की दुकान से संचालित होती थी और जिसने पिछले तीन वर्षों में चंदे के रूप में 370 करोड़ रुपये स्वीकार किए थे। जाहिर है, आयकर विभाग के लिए उस व्यक्ति का पता लगाना जरूरी हो गया, जो एक राजनीतिक पार्टी के नाम पर अरबों रुपये के वारे-न्यारे कर रहा है। घड़ी दुकान के मालिक के अलावा ऐसे राजनीतिक दल के मालिक की धर-पकड़ भी जरूरी है, जिसके लिए राजनीति या पार्टी एक कारोबार मात्र है। ऐसी पार्टियां न जाने कब से काला कारोबार चला रही हैं?

> आयकर विभाग ने इस सिलसिले में छापे मारकर साहसिक काम किया है। यह प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। बड़े दलों के खातों की भी पड़ताल होनी चाहिए। यह न्यायोचित नहीं कि महज छोटे दलों को ही निशाना बनाया जाए। चुनाव आयोग को भी सक्रिय होना चाहिए, जब 55 पार्टियां ही मान्यता प्राप्त हैं, तो 2,000 से ज्यादा अन्य पंजीकृत पार्टियां किस काम में लगी हैं?

वास्तव में, यह गंभीर अपराध है कि ऐसे अनेक कथित राजनीतिक दल काले धन के शोधन या आयकर बचाने के कारोबार में लगे हैं। पता यह चल रहा है कि ऐसे दलों को धन शोधन के एवज में तीन से पांच प्रतिशत कमीशन मिलता है। मतलब, जिस कथित पार्टी प्रमुख ने 300 करोड़ रुपये को चंदा स्वरूप लेकर काले से सफेद बनाया है, उसे नौ करोड़ रुपये का फायदा हुआ होगा। यदि कोई एक राजनीतिक पार्टी का पंजीकरण भर करा ले, चुनाव भी न लड़े, तब भी करोड़पति बन सकता है? फिर सवाल उठता है कि ऐसी गैर-मान्यता प्राप्त पंजीकृत पार्टियों से किसको लाभ है? ऐसी पार्टियां न तो जमीनी संघर्ष कर रही हैं और न ही नैतिकता का पालन। इनका एक ही काम है, समाज में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप से मजबूत करना। मुंबई की एक झुग्गी से ऐसी पार्टी चल रही है, जिसे दो साल में 100 करोड़ रुपये चंदे में मिले हैं, मतलब इस पार्टी का मुखिया दो साल में तीन करोड़ रुपये कमा गया। यह गलत परिपाटी या आर्थिक भ्रष्टाचार उन लोगों के साथ अन्याय है, जो वास्तव में बहुत संघर्ष करके दो जून की रोटी जुटाते हैं। राजनीतिक दलों के पंजीकरण को इसलिए उदार नहीं बनाया गया था कि कोई पार्टी अपना धंधा चमकाने लगे। वास्तव में, राजनीतिक पार्टियों को जब कोई चंदा देता है, तो उतनी राशि पर उसे आयकर में छूट का लाभ भी मिलता है। काफी सारा पैसा राजनीतिक दलों के पास ऐसा आता है, जिसके स्रोत का खुलासा नहीं करना पड़ता है। दान या चंदे को राजनीतिक दल आसानी से छिपा सकते हैं, क्योंकि उनकी नकेल कसने का कोई विशेष इंतजाम नहीं है। जब भी चंदे को आधिकारिक या पूरी तरह से घोषित या पारदर्शी बनाने की चर्चा होती है, तब बड़े राजनीतिक दल आगे बढ़कर अपनी अबाध आर्थिक आजादी सुनिश्चित करते हैं। आयकर विभाग ने इस सिलसिले में छापे मारकर साहसिक काम किया है। यह प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। बड़े दलों के खातों की भी पड़ताल होनी चाहिए। यह न्यायोचित नहीं कि महज छोटे दलों को ही निशाना बनाया जाए। चुनाव आयोग को भी सक्रिय होना चाहिए, जब 55 पार्टियां ही मान्यता प्राप्त हैं, तो 2,000 से ज्यादा अन्य पंजीकृत पार्टियां किस काम में लगी हैं?

रामलीला में हुई राहुललीला

रामलीला मैदान की रैली में कांग्रेस ने काफी लोग जुटा लिये। हरियाणा से भूपेंद्र हूडा और राजस्थान से अशोक गहलोत ने जो अपना जोर लगाया, उसने कांग्रेसियों में उत्साह भर दिया लेकिन यह कहना मुश्किल है कि इस रैली ने कांग्रेस पार्टी को कोई नई दिशा दिखाई है। इस रैली में कांग्रेस का कोई नया नेता उभर कर सामने नहीं आया। कई कांग्रेसी मुख्यमंत्री और प्रादेशिक नेता मंच पर दिखाई दिए लेकिन उनकी हैसियत वही रही, जो पिछले 50 साल से थी।

सारे अनुभवी, योग्य और उम्रदराज़ नेता ऐसे लग रहे थे, जैसे किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मेनेजर या बाबू हों। पिछले दिनों कांग्रेस के पुनर्जन्म की जो हवा बह रही थी, वह उस मंच से नदारद थी। राहुल गांधी इस पार्टी के अध्यक्ष रहें या न रहें, बनें या न बनें, असली मालिक तो वही हैं, यह इस रैली ने सिद्ध कर दिया है। रामलीला मैदान में हुई यह राहुललीला क्या यह स्पष्ट संकेत नहीं दे रही है कि 'भारत-जोड़ो यात्रा' का नेतृत्व कौन करेगा?

आप ज़रा सोचिए कि जो पार्टी लोकसभा की 400 सीटें जीतती थी, वह सिकुड़कर के 50 के आस-पास आ जाए, फिर भी उसमें नेतृत्व परिवर्तन न हो, वह पार्टी अंदर से कितनी जर्जर हो चुकी होगी। रामलीला मैदान में भाषण तो कई नेताओं के हुए लेकिन टीवी चैनलों और अखबारों में सिर्फ राहुल गांधी ही दिखाई पड़ रहे है। इसका अर्थ यह भी लगाया जा सकता है कि ऐसा जान-बूझकर करवाया जा रहा है ताकि कांग्रेस की मज़ाकिया छवि बनती चली जाए!

ऐसा नहीं है कि राहुल का भाषण बिल्कुल बेदम था। उसमें कई ठोस और उचित आलोचनाएं भी थीं लेकिन देश के श्रोताओं के दिमाग में जो छवि राहुल की पहले से बनी हुई है, उसके कारण उसका कोई खास असर होने की संभावना बहुत कम है। राहुल और सोनियाजी को पता है कि अकेली कांग्रेस मोदी के मुकाबले इस बार पासंग भर भी नहीं रहने वाली है लेकिन इसके बावजूद राहुल ने देश की अन्य प्रांतीय पार्टियों को अपने कथन से चिढ़ा दिया है। उसने कह दिया कि इन पार्टियों के पास कोई विचारधारा नहीं है।

क्या राहुल की कांग्रेस अन्य विरोधी पार्टियों के बिना मोदी का मुकाबला कर सकती है? राहुल का यह कहना भी कोरी अतिरंजना है कि संसद में विरोधियों को बोलने नहीं दिया जाता और मीडिया का गला घोंटा जा रहा है। राहुल ने न्यायपालिका को भी नहीं बख्शा। कांग्रेस के पास श्रेष्ठ वक्ताओं का अभाव है, यह बात राहुल के अलावा सबको पता है। हर सरकार मीडिया को फिसलाने की कोशिश करती है लेकिन यदि भारतीय मीडिया गुलाम होता तो क्या राहुल को आज इतना प्रचार मिल सकता था?

वेद प्रताप वैदिक

> आज भी भारत के तमाम सरकारी स्कूलों में देशपांडे और तारा मैडम जैसी शिक्षिकाएं अथवा शिक्षक मिल जाएंगे, क्योंकि अपने यहां शिक्षकों का चरित्र ही ऐसा है कि वे संवेदना को प्रोत्साहित करते हैं। लिहाजा, केंद्रीय विद्यालयों की तरह ही हम यदि अन्य सरकारी स्कूलों में निवेश कर सकें, तो निस्संदेह उनकी तस्वीर भी बदल जाएगी।

निवेश बढ़ा तो संवरेंगे सरकारी स्कूल

अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

साल 1973 में मेरा दाखिला भोपाल के केंद्रीय विद्यालय की पहली कक्षा में हुआ था। दूसरे ही दिन, मेरी क्लास टीचर ने मुझे कक्षा में आगे बुलाया और अपनी हथेली सामने करने को कहा, ताकि स्केल से वह मुझे मार सकें। वे यादें आज भी मेरे जेहन में बनी हुई हैं। उस पिटाई के बाद मैंने स्कूल जाने से मना कर दिया था। इसीलिए अगले दिन मेरे पिता मुझे स्कूल छोड़ने के लिए आए। कार में वह धैयपूर्वक मेरे साथ बैठे रहे और यह इंतजार करते रहे कि मैं स्कूल के अंदर जाने के लिए खुद आगे बढ़ूंगा। मगर मैं अपनी सीट पर बैठा रहा। जब काफी वक्त बीत गया और पापा को लगा कि मेरा फैसला अटल है, तो वह मुझे वापस घर ले आए। अगले दिन भी ठीक यही कहानी दोहराई गई।

इस मूक विद्रोह के तीसरे दिन स्कूल की उप-प्रधानाध्यापक श्रीमती देशपांडे हाथ में लाल गुलाब लिए बाहर निकलीं। उन्होंने मुझसे क्या कहा, यह तो आज याद नहीं है, लेकिन इतना जरूर स्मरण है कि मैं उनके साथ स्कूल के अंदर चला गया, एक हाथ में गुलाब और दूसरे हाथ से उनकी उंगलियां पकड़कर। वह मुझे पहली कक्षा के दूसरे सेक्शन में ले गईं। उस वक्त तारा मैडम कक्षा ले रही थीं। उन्होंने भी उसी स्नेह से मुझे कक्षा में बिठाया। उनका वह दुलार मुझे अगले तीन साल तक मिलता रहा, क्योंकि वह तब तक मेरी क्लास टीचर रहीं।

कभी-कभी सोचता हूं कि अगर देशपांडे या तारा मैडम जैसी शिक्षिकाएं न होतीं, तो मैं आज कहां होता? मेरी स्कूली शिक्षा कैसी रही होती? निश्चय ही, देर-सबेर मैं स्कूल जाता ही, पर संभव है कि उसी सेक्शन में जाता, जिसकी क्लास टीचर ने मुझे मारा था। बाद में इसका क्या मतलब रहता, यह कहना आज मुश्किल है, अब तो मैं बस कयास लगा सकता हूं।

बहरहाल, दो हफ्ते पहले बारिश से भीगी एक शाम में मैं स्कूल के अपने सात दोस्तों से मिला। उनमें से पांच 1973 से मेरे साथ हैं। उस घटना को आज करीब 50 साल हो गए हैं, लेकिन उस शाम तक मुझे नहीं पता था कि हम सात दोस्तों में मेरे अलावा दो अन्य भी ऐसे हैं, जिनके स्कूली जीवन को श्रीमती देशपांडे ने इसी तरह संवारा था।

भारत में केंद्रीय विद्यालय 1963 में शुरू किए गए थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सशस्त्र बलों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस अधिकारी सहित केंद्र सरकार के अन्य विभागों में काम करने वाले कर्मियों के बच्चों को माता-पिता के स्थानांतरण की सूरत में भी अच्छी शिक्षा मिले। आज देश भर में 1,252 केंद्रीय विद्यालय हैं, जिनमें 14 लाख से भी अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। तड़क-भड़क वाले निजी स्कूलों के बीच भी इन विद्यालयों को अच्छा शिक्षण संस्थान माना जाता है।

मैंने भोपाल के केंद्रीय विद्यालय में नौ साल बिताए। चौथी, पांचवीं और नौवीं कक्षा की पढ़ाई मैंने दूसरे शहर में की। वे दिन मुझे आज भी उसी तरह याद हैं, जिस तरह मेरे दोस्तों को। हमारी नजर में श्रीमती देशपांडे और तारा मैडम संभवतः सभी शिक्षकों में सबसे ज्यादा उदार थीं, मगर स्कूल में अच्छे शिक्षकों की कमी नहीं थी। मुझे महज दो या तीन ऐसे शिक्षक याद हैं, जो काफी सख्त रहे। अगर आज की तरह शारीरिक दंड को लेकर उस वक्त भी नियम-कानून बन गए होते, तो उन दो-तीन शिक्षकों में से एक निश्चय ही सलाखों के पीछे होते। फिर भी ज्यादातर शिक्षक संवेदनशील, काबिल और मन लगाने वाले थे।

स्कूल की मेरी दूसरी चिरस्थायी स्मृति यह है कि वह हमेशा मेरे लिए अति व्यस्त स्थान रहा। वहां कक्षा ही नहीं, कई तरह की अन्य गतिविधियां भी होती रहती थीं। थिएटर, वाद-विवाद, पिकनिक और न जाने क्या-क्या। स्कूल ने सीखने के मानो तमाम आयामों और संभावनाओं का ध्यान रखा था। यह उस तरह का जीवंत संस्थान था, जिसकी हम कल्पना करते हैं। निस्संदेह, यह संस्कृति राजगुरु सर की वजह से विकसित हो पाई थी, जो एक दशक से भी अधिक समय तक स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे।

हमने तब ऐसा नहीं सोचा था, लेकिन आज यही लगता है कि स्कूली माहौल की वजह से ही हमारे दिल-ओ-दिमाग में विविधता का संसार बसा, जो हमारे लिए शायद सबसे बहुमूल्य अनुभव है। मेरी कक्षा में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के बच्चे भी थे, मुख्यमंत्री के भी और चतुर्थ श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों के भी। हम तब शायद ही किसी तरह का भेदभाव किया करते। कक्षा में इस तरह की विविधता आज अकल्पनीय है। मुझे संदेह है कि अगर इलाका पिछड़ा न हो, तो कोई उच्च अधिकारी शायद ही अपने बच्चों को केंद्रीय विद्यालय में पढ़ाता होगा। वे निजी स्कूलों को कहीं ज्यादा तवज्जो देते हैं। यकीनन पारिवारिक पृष्ठभूमि से सींची गई सामाजिक पूंजी ने हम सबके जीवन पथ को संवारने में बड़ी भूमिका निभाई है, पर जिस स्कूल ने हम सभी को एक समान शिक्षा दी, उसने हमारे लिए संभावनाओं के तमाम द्वार खोले हैं। इन सबसे बढ़कर उसने हमें बेहतर इंसान बनाया है, जो किसी दूसरी जगह शायद ही बन पाते।

केंद्रीय विद्यालय उदाहरण हैं कि कैसे अच्छे सरकारी स्कूल चलाए जा सकते हैं। वे न केवल अच्छे शिक्षण संस्थान हैं, बल्कि सबसे अधिक जीवंत भी हैं। यहां यह भी समझना चाहिए कि केंद्रीय विद्यालयों में हर छात्र पर होने वाला औसत खर्च सामान्य सरकारी स्कूल से दो-तीन गुना अधिक है, जो एक बड़ी वजह है कि आखिर क्यों इन्होंने अपनी गुणवत्ता बनाए रखी है। फिर, इनका पूंजीगत व्यय भी अधिक है, क्योंकि ये अच्छी सुविधाएं देते हैं और ये अमूमन राज्य स्कूल से आठ से दस गुना बड़े भी होते हैं। इन्हीं सबके मद्देनजर यह कह सकते हैं कि यहां हर छात्र पर होने वाला खर्च चार से पांच गुना है। स्पष्ट है, अच्छे पठन-पाठन के लिए शिक्षा पर सरकारी खर्च बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

आज भी भारत के तमाम सरकारी स्कूलों में देशपांडे और तारा मैडम जैसी शिक्षिकाएं अथवा शिक्षक मिल जाएंगे, क्योंकि अपने यहां शिक्षकों का चरित्र ही ऐसा है कि वे संवेदना को प्रोत्साहित करते हैं। लिहाजा, केंद्रीय विद्यालयों की तरह ही हम यदि अन्य सरकारी स्कूलों में निवेश कर सकें, तो निस्संदेह उनकी तस्वीर भी बदल जाएगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हिमालय को प्यार से सहेजना सारे जहां के लिए जरूरी

गिरीश चंद्र गुरुरानी

साल 2012 में सितंबर की पहली सुबह संकल्प के साथ हिन्दुस्तान की टीम देहरादून दफ्तर से निकली। कुछ हाथों में बैनर थे और कुछ हिमालय प्रतिज्ञा के पर्चे पकड़कर चल पड़े। किसी संवाददाता की मंजिल स्कूल था, कोई व्यापार मंडल, बार एसोसिएशन, नगर निगम, कर्मचारी संगठन, शिक्षक संगठन, धार्मिक-सामाजिक संगठन, कॉलेज या फिर यूनिवर्सिटी जा पहुंचा। ऐसा सिर्फ देहरादून में ही नहीं हुआ था, बल्कि समूचे प्रदेश में हिन्दुस्तान की टीम हर शहर और कस्बे में एक साथ उतरी। पूरा उत्तराखंड हिमालय प्रतिज्ञा से गूंज उठा। अगले नौ दिन तक हिन्दुस्तान हिमालय बचाओ अभियान राज्य के कोने-कोने तक फैल चुका था। सरकारी विभागों, नागरिक संस्थाओं के अलावा सेना की गढ़वाल रायफल्स व कुमाऊं रेजिमेंट ने भी हिमालय संरक्षण की शपथ ली। बुद्धिजीवियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं से मिली सराहना की शक्ति से यह अभियान 10 वर्ष पूरे कर चुका है। इस अभियान के अंतर्गत आज 11वां हिमालय दिवस मनाया जा रहा है। यह अभियान सिर्फ उत्तराखंड या हिमालयी राज्यों की जरूरत नहीं है, बल्कि एशिया के कई देशों का जीवन हिमालय से प्रभावित होता है। इसके पर्यावरण प्रभावों का उत्तर व पूर्वी भारत के 20 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों पर असर पड़ता है।

हिमालय नई और संवेदनशील पर्वत शृंखला है। टेथिस सागर से उपजे पर्वतराज की पूर्णता अभी बाकी है। अध्येता मानते हैं कि इसकी ऊंचाई अभी तक बढ़ रही है। मानवीय हमलों के कारण उसका पर्यावरण निरंतर बिगड़ रहा है। हिमालय के साढ़े नौ हजार से अधिक छोटे-बड़े ग्लेशियरों में से ज्यादातर प्रतिवर्ष दो से लेकर 51 मीटर तक पिघलकर पीछे खिसक रहे हैं। शिमला में पांच फीट बर्फ गिरने की बातें अब कहानियां बनकर रह गई हैं। हमने चार दशक पहले पहाड़ों पर होली के दिन महज सात सौ मीटर की ऊंचाई पर बर्फ को जमीन छूते देखा है। नीति आयोग की रिपोर्ट में भी हिमालय की चिंताजनक तस्वीर का उल्लेख हो चुका। आधे से ज्यादा जल-स्रोतों के सूखने के सुबूत मिल चुके हैं। जल का अपार भंडार समेटे हिमालय के ज्यादातर लोग प्यास बुझाने को अब अपने गांव के स्रोतों पर निर्भर नहीं रहे। उन्हें कहीं दूर से पाइप लाइन बिछाकर जलापूर्ति की जा रही है। हिमालय के जलस्रोतों को बचाया जा सके, तो सरकारों को अरबों रुपये की योजनाएं नहीं बनानी पड़ेंगी और लोगों को वाटर स्प्रिंग के रूप में सीधे धरती की गोद से निकल रहा साफ पानी पीने को मिलेगा। इसके लिए अध्ययन करना होगा कि भू-जल के असीमित दोहन का इस पर कितना असर है और हमारी जल नीति कैसी हो? कोरोना काल में साधारण व्यक्ति को भी ऑक्सीजन का महत्व समझ में आ चुका, इसीलिए हिमालय के जंगलों को बचाया जाना बेहद जरूरी है। घने जंगलों से घिरा हिमालय क्षेत्र एशिया महाद्वीप का ऑक्सीजन बैंक भी है। इन्हीं चिंताओं के चलते पर्यावरण कार्यकर्ताओं और हिमालय प्रेमियों ने 2010 में 9 सितंबर को हिमालय दिवस मनाने फैसला लिया था। हिन्दुस्तान ने इस मुद्दे पर व्यापक जन जागरूकता की आवश्यकता को देखते हुए बड़े स्तर पर अभियान आरंभ किया। हिमालय बचाओ मुहिम धीरे-धीरे धरातल पर नजर आने लगी है। कई स्कूलों में केवल हिमालय दिवस पर ही नहीं, बल्कि पूरे साल बच्चे हिमालय प्रतिज्ञा ले रहे हैं। जलस्रोतों को रीचार्ज करने के लिए लोग आगे आ रहे हैं। कई लोग प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता का काम कर रहे हैं। हरिद्वार में गंगा-तटों की सफाई हो या पिथौरागढ़ में ऑल वेदर रोड के किनारे पौधारोपण, लोग खुद योजना बनाकर उसे लागू करने में अपना समय व श्रम हिमालय के लिए दान कर रहे हैं। यह व्यापक विषय है, सफर लंबा है।

यह सच है कि विकास को पूर्णतः रोका नहीं जा सकता, लेकिन पर्यावरण के साथ संतुलन तो बनाया जा सकता है। हिमालय पर बढ़ता प्लास्टिक का बोझ नहीं रोक पाए, तो नदी, पहाड़, ग्लेशियर, सबका नुकसान होगा। भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील स्थानों और रीवर बेड पर बसावट क्या रोकी नहीं जा सकती? विशेषज्ञों की मदद लेने में संकोच कैसा? प्रकृति को समझे बिना मनमाने दोहन के कारण हमें एक अरसे बाद बदले में कई गुना भरपाई करनी पड़ती है। पहाड़ों पर प्राकृतिक आपदाओं का अलार्म सुन रहे हैं न आप?

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

अच्छी सोच-अच्छे विचार मन को स्वस्थ और शुद्ध रखते हैं, करते हैं चिंतन गहराई से तब जाकर कुछ निर्णय लेते हैं।

-अंजली जैन
7024460938

कांग्रेस को निरंतरता की जरूरत

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी ने रामलीला मैदान में बड़ी रैली की है। महंगाई पर हल्ला बोल रैली में भीड़ जुटी थी और अब कांग्रेस नेता निश्चिंत होकर कुछ दिन आराम कर सकते हैं। याद करें कि महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने इससे पहले कब प्रदर्शन किया था! कांग्रेस ने 26 जुलाई 2021 को संसद के मॉनसून सत्र के दौरान महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया था। राहुल गांधी ट्रैक्टर चला कर संसद पहुंचे थे। एक दिन राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेता साइकिल से भी संसद गए थे। लेकिन उस प्रदर्शन के बाद 14 महीने तक कांग्रेस के नेता महंगाई के खिलाफ सिर्फ ट्विटर पर ही अभियान चलाते रहे। इन 14 महीनों में महंगाई बढ़ती रही थी, बल्कि ज्यादा बढ़ती रही थी। थोक और खुदरा महंगाई काबू से बाहर रही। लगातार छह महीने से ज्यादा समय से खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक की ओर से तय की गई अधिकतम सीमा से ऊपर रही है। थोक महंगाई दर पिछले एक साल से दहाई में है। लेकिन इस दौरान कांग्रेस बयान देने और सोशल मीडिया में अभियान चलाने के अलावा कुछ नहीं कर रही थी।

लोग महंगाई से त्रस्त हैं लेकिन भाजपा ने उनको कहीं हिजाब के विवाद में तो कहीं हलाल मीट और ईदगाह मैदान में गणेशोत्सव मनाने के विवाद में तो कहीं बुलडोजर और मंदिर के विवाद में उलझाया हुआ है। दुर्भाग्य से कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां भी इन्हीं मुद्दों में उलझी हुई हैं। कांग्रेस ने पिछले साल जुलाई में जब महंगाई के मुद्दे पर प्रदर्शन किया था तो उसने निरंतरता नहीं रखी। अगर उसके बाद भी वह पूरे देश में महंगाई के खिलाफ अभियान चलाती रहती तो उसे इसका राजनीतिक फायदा होता। लेकिन इसका उलटा हुआ। लोग महंगाई से त्रस्त थे फिर भी पांच राज्यों के चुनाव में से चार में भाजपा जीती और एक में आम आदमी पार्टी। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया। जाहिर है कांग्रेस के राजनीतिक अभियान में निरंतरता की कमी है, जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा।

पिछले प्रदर्शन के 14 महीने के बाद कांग्रेस ने जो रैली की है क्या उससे पार्टी कोई मैसेज बनवाने में कामयाब हुई है? ऐसा नहीं लग रहा है। कांग्रेस एक सफल रैली के बावजूद महंगाई का मैसेज नहीं बनवा पाई तो उसका कारण यह है कि पार्टी महंगाई दिखाने वाले दृश्यों का निर्माण नहीं कर सकी। पिछले साल के प्रदर्शन में राहुल और विपक्ष ने बहुत मजबूत प्रतीकों का इस्तेमाल किया था। साइकिल और ट्रैक्टर के जरिए प्रदर्शन प्रभावशाली हुआ था। लेकिन रामलीला मैदान की रैली में ऐसा कोई ऑप्टिक्स नहीं दिखा। कांग्रेस जब इतनी बड़ी रैली कर रही थी तो उसे लोगों के दिल-दिमाग को प्रभावित करने वाले दृश्य बनवाने चाहिए थे। याद करें कैसे भाजपा जब विपक्ष में थी और रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 10 रुपए की भी बढ़ोतरी होती थी तो पार्टी के बड़े नेता सिलेंडर लेकर प्रदर्शन करते थे। सब्जियां महंगी होती थीं तो बड़े नेता सब्जियों की माला पहन कर प्रदर्शन करते थे। लेकिन कांग्रेस की इतनी बड़ी रैली से ऐसा कोई दृश्य नहीं बन पाया। कांग्रेस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से भी सबक लिया होता तो कुछ ऐसा कर सकती थी। पिछले दिनों केसीआर ने प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर वाले पोस्टर छपवाए, उन पर गैस सिलेंडर की 1,105 रुपए की कीमत छपवाई और उसे सिलेंडर पर चिपका कर उसका एक मैसेज बनवाया। कांग्रेस भी अपनी रैली में ऐसा कर सकती थी। यूपीए सरकार जब सत्ता से बाहर हुई थी तो रसोई गैस के एक सिलेंडर की कीमत 410 रुपए थी, जो आज 11 सौ रुपए से ज्यादा है। इससे बड़ा महंगाई का प्रतीक कुछ नहीं हो सकता है। कांग्रेस को रैली में सिर्फ इस पर फोकस करना था। लोग सिलेंडर लेकर आते, दूध की थैलियां और आटे की बोरियां लेकर आते। सब्जियों की माला पहन कर लोग रैली में हिस्सा लेते। पेट्रोल और डीजल की महंगाई के प्रतीक बनवाए जाते। और सबसे ऊपर राहुल गांधी अपने भाषण में सिर्फ महंगाई पर बोलते। उनके भाषण के कम से कम 90 फीसदी हिस्सा महंगाई पर केंद्रित होना चाहिए थे। लेकिन अफसोस की बात है कि वे उन सारे मामलों पर बोलते रहे, जिनके बारे में भाजपा चाहती है कि वे बोलें। विभाजनकारी नीतियों और नफरत फैलाने की नीतियों पर राहुल का बोलना भाजपा के वोट बढ़वाता है। इसका यह मतलब नहीं है कि उनको इस पर नहीं बोलना चाहिए लेकिन चार सितंबर का दिन महंगाई पर हल्ला बोल का था।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में सबसे हैरान करने वाली बात यह कही कि 'जब कोई विकल्प नहीं बचा तो पार्टी ने जनता के बीच जाने का फैसला किया'। उन्होंने सात सितंबर से शुरू हो रही भारत जोड़ो यात्रा के संदर्भ में यह बात कही। उनके भाषण में जिसने भी यह लाइन लिखी उसे राजनीतिक का ककहरा नहीं मालूम है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

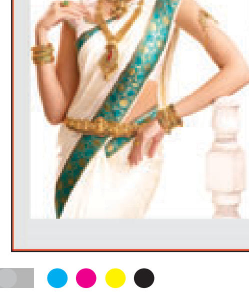
कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX

ITR फाईल

बनवायें मात्र 500/- में

TDS, GST, TAX Expert

सम्पर्क- शेखर गुप्ता

9300755544

onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ में अब न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्रामः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितंबर के अवसर पर अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जाएगा। यह अभियान 5 वर्ष तक चलेगा। इस कार्यक्रम में अशिक्षित व्यक्तियों को बुनियादी साक्षरता एवं अंक ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हें जीवन में आने वाले कुशलता के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाएगा। जिसमें डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, चुनावी साक्षरता, कौशल विकास, बुनियादी शिक्षा, सतत शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य में स्वच्छता पर विशेष रुप से जागरूक करने का कार्य भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नवाचारी कार्यक्रमों की देश में लगातार सराहना की जा रही है। हमें प्रदेश की एक चौथाई असाक्षरों को साक्षर किए जाने की दिशा में निरंतर कार्य करना है। उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं दी।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा और जीवन पर्यन्त शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता हेतु यह आवश्यक है कि शिक्षकों के साथ पालक भी बच्चों की शिक्षा में योगदान दें, अतः अशिक्षित पालकों को शिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के सभी निकायों और शिक्षकों से अनुरोध किया कि स्वयंसेवी शिक्षक बनकर शिक्षा से वंचित व्यक्तियों को मुख्यधारा में लाने में अपना अमूल्य योगदान दें।

साक्षरता दिवस पर आज आयोजित वेबीनार में सात हजार से अधिक लोगों ने शिरकत की। स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने कहा कि प्रदेश में साक्षरता कार्यक्रम को मिशन मोड में तथा नवाचारी तरीके से कार्य करने का गौरवशाली इतिहास रहा है।

उन्होंने समग्र शिक्षा एससीईआरटी और राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण समन्वय के साथ कार्य की सफलता के लिए सक्रिय योगदान करने कहा। स्कूल शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के डायरेक्टर श्री राजेश सिंह राणा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का निर्णय यूनेस्को द्वारा लिया गया। जिनके द्वारा इस वर्ष साक्षरता दिवस की थीम ज्तंदेवितउपदह स्पजमतंबल`चंबमे है। उन्होंने कहा कि प्रौढ़ शिक्षा को अब सभी के लिए शिक्षा कहा गया है। उन्होंने कहा कि सशक्त देश की आधारशिला शिक्षा है। अतिरिक्त संचालक एससीईआरटी डॉ. योगेश शिवहरे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रौढ़ शिक्षा व जीवन पर्यन्त शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। राज्य पाठ्यचर्या में पहली बार प्रौढ़ शिक्षा के विषय को शामिल किया गया है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ का पहला राज्य हैं, जहां एससीआरटी में साक्षरता केंद्र स्थापित किया गया है। राज्य शिक्षा मिशन प्राधिकरण में असिस्टेंट डायरेक्टर एवं नोडल अधिकारी प्रशांत कुमार पांडेय ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह के बारे में एक प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राज्य गीत, नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एवं गढ़बो डिजिटल छत्तीसगढ़ पर केंद्रित फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

शहर में लोगों को दी जा रही आत्महत्या रोकथाम विवरण पुस्तिका

नागरिकों को आत्महत्या रोकथाम के प्रति किया जा रहा जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमचपी) बस्तर की टीम द्वारा शहर के बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन, ऑटो स्टैंड, एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आमजनों को आत्महत्या विवरण पुस्तिका का वितरण कर आत्महत्या रोकथाम के प्रति जागरूक किया जा रहा है। डीएमचपी टीम के द्वारा नागरिकों को अपने आस-पास रहने वाले ऐसे व्यक्ति जो मानसिक तनाव की अवस्था मे हो उन्हें पहचानने, उनकी मदद करने, उनसे बात कर उनकी मनःस्थिति जानने के बारे में बताया जा रहा है ताकि ऐसे लोग आत्महत्या की कगार पर ना पहुंच पाएं।

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ ऋषभ साव ने बताया: आत्महत्या आवेग में उठाया कदम होता है और अगर आत्महत्या की मनोस्थिति को एक बार तोड़ दिया जाए तो व्यक्ति को बचाया जा सकता है। आत्महत्या की एक बड़ी वजह मानसिक अस्वस्थता है। तनावग्रस्त व्यक्ति अक्सर तनाव से निदान पाने के लिए कई बार आत्महत्या की राह चुन लेता है या फिर मानसिक रोग का उपचार न होने के कारण रोगी अपनी जान ले लेता है जो गलत है। अगर किसी के मन मे आत्महत्या करने जैसे विचार आ रहे है तो वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है, मानसिक अस्वस्थता की स्थिति हो तो घबराएं नही, महारानी अस्पताल में स्पर्श क्लीनिक के माध्यम से मानसिक रोगियों को निःशुल्क परामर्श व उपचार दिया जाता है। स्पर्श क्लीनिक जगदलपुर हेल्पलाइन नम्बर 077822-22578 पर कॉल करके भी जानकारी ली जा सकती है। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कम्यूनिटी साइकोलॉजिस्ट रूपेश मसीह ने बताया: जिले में आमजनों को निःशुल्क बांटे गए विवरण पुस्तिका का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या के कारणों और उसके निदान के बारे जानकारी देना है। इस दौरान डीएमएचपी बस्तर की टीम द्वारा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य से सम्बंधित फैली भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया गया। जिले में आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के तहत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

खास खबर

धान फसल को कीट व्याधि से बचाने आवश्यक दवाईयों का करें उपयोग

कोरबा। वर्तमान में धान फसल कन्से व कहीं-कहीं गभोट की स्थिति में है। वर्तमान में धान फसल में कीट व्याधि का प्रकोप होने पर किसानों के लिए समसामयिक सलाह जारी की गयी है। कृषि अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त भ्रमण कर किसानों को धान फसल के लिए जरूरी सलाह दी जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों ने धान फसल के खेत की सतत् निगरानी करने एवं खेतों में शाम सात बजे से रात के दस बजे तक प्रकाश प्रपंच का उपयोग करने की भी सलाह दे रहे हैं। जिलें में खरीफ2022 में धान 88 हजार 789 हेक्टेयर, अन्य अनाज 11 हजार 493 हेक्टेयर, दलहन आठ हजार 335 हेक्टेयर, तिलहन दो हजार 461 हेक्टेयर एवं सब्जी 11 हजार 269 हेक्टेयर इस प्रकार कुल एक लाख 22 हजार 347 हेक्टेयर में खरीफ फसल ली गयी है। उपसंचालक कृषि अनिल शुक्ला ने बताया कि किसान जैविक कीटनाशक के रूप में गौ मूत्र से तैयार अग्नि अस्त्र या ब्रम्हास्त्र का उपयोग फसल में कीड़े लगने की प्रारंभिक अवस्था में करें। यह जैविक कीटनाशक जिले के सेंद्रीपाली एवं चिर्रा के गोठानों में तैयार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि देर से धान की रोपा की गई फसल में पत्ती मोड़क कीट दिखाई देने पर क्लोरोपायरीफास एक लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। धान फसल के गभोट अवस्था में तना छेदक की तितली एक मोथ प्रति वर्गमीटर होने पर पिपरोनील 5एस.एस. एक लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से दवा प्रयोग करें। उपसंचालक कृषि ने बताया कि किसान धान फसल में झुलसा रोग दिखाई देने पर ट्राईसाईक्लाजोल, कवक नाशी 6 ग्राम प्रति 10 लीटर या नॉटिवो 4 ग्राम प्रति लीटर दवा का छिड़काव 10 से 12 दिन के अंतराल पर करें। जीवाणु जनित झुलसा के लक्षण दिखाई देने पर पोटाश खाद 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं हेक्जाकोनाजोल 1 एमएल प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

गर्भवती के पेट से निकाला 2 किलो फ्राईब्राइड ट्यूमर, मां और बच्चें दोनों को मिला जीवनदान

जिला अस्पताल के मातृत्व शिशु वार्ड के 8 सदस्यों की मेडिकल टीम ने की सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। चिकित्सा सुविधा के क्षेत्र में लगातार जिले में बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है, इसी कड़ी में जिला चिकित्सालय के मातृत्व एवं शिशु वार्ड में दाखिल गर्भवती नीतू यादव के गर्भाशय से 2 किलोग्राम के फ्राईब्राइड ट्यूमर ऑपरेशन कर निकाला। इस सर्जरी में सबसे बड़ा चैलेंजे गर्भाशय में बच्चे को सुरक्षित रखना था।

सर्जरी के बाद जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित है। नीतू डिलीवरी के लिए लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय सुपेला भिलाई में अपना रेगुलर चेकअप करा रही थी। जहां सोनोग्राफी जांच के बाद उनके गर्भाशय में फ्राईब्राइड ट्यूमर डायग्नोज किया गया। शास्त्री चिकित्सालय के डॉक्टरों ने मरीज को जिला अस्पताल दुर्ग के मातृत्व शिशु वार्ड में रिफर किया गया।

बड़ा चैलेंज थी सर्जरी

यहां स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ ममता पाण्डे, के अधीन मरीज की अवस्था की जांच की गई और जच्चा-बच्चा की सुरक्षा के लिए आपरेशन करने का निर्णय लिया गया क्योकि आपरेशन की प्रक्रिया जटिल थी इसलिए 8 सदस्यों वाली चिकित्सकीय दल का गठन किया गया। डॉ. ममता पाण्डे ने बताया कि ट्यूमर की आकृति बड़े होने के कारण मां और बच्चें दोनों को क्षति से बचाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था परंतु जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों की दक्ष टीम ने इस 2 किलो के फ्राईब्राइड ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकालकर, सिजेरियन डिलीवरी को अंजाम दिया। वर्तमान में मां और नवजात दोनों ही पूर्ण रूप से स्वस्थ्य है और नवजात का टीकाकरण भी किया जा चुका है। चिकित्सकीय दल की टीम में डॉ.ममता पाण्डेय स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, डॉ. विनिता ध्रुव, डॉ. अर्चना, वरिष्ठ चिकित्सक, डॉ. पूजा (निश्चेतना) स्टॉफ नर्स सीमा, कीर्ति, ममता शर्मा, शोभना कुमार ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रोजगार कार्यालय में 12 को आयोजित होगा प्लेसमेंट कैम्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने 12 सितम्बर को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित होगा। इसमे निजी क्षेत्र के नियोजक रिलायंस निप्पोन लाईफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड रायपुर द्वारा लाईफ प्लानिंग ऑफिसर के 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 30 से 45 वर्ष की विवाहित एवं स्नातक उत्तीर्ण महिलाओं की भर्ती होगी।

नव अंकुर फाउंडेशन द्वारा कुक, पियुन, सिक्यूरिटी गार्ड, मार्केटिंग एक्सीक्यूटीव, टायपिस्ट, डिलीवरी व्याय, हेल्पर आदि के 30 पदों पर 4थी से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। ओमकारा सॉल्यूशन्स, रायपुर द्वारा व्हीकल टेक्निशियन (गुजरात एवं पुर्ण प्लांट के लिए), सेल्समेन (सुमीत बाजार, रायपुर के लिए) के 650 पदों पर एवं लॉण्ड्रीहाउस रायपुर द्वारा स्टोर मैनेजर, डिलीवरी मैन, वॉशिंग मशीन ऑपरेटर, स्टीमऑयरन पर्सन के कुल 8 पदों पर योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी।

इन पदो के लए आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पर उपस्थित होकर, साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है।

अतिरिक्त प्रयासों से विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम हो सकते हैं संभवः कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने तिल्दा विकासखंड के शासकीय स्कूलों के प्राचार्यो की बैठक लेकर छात्रों के बेहतर परिणाम के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त प्रयासो से छात्रों के बेहतर परिणाम संभव हो सकते हैं। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में विगत वर्षों में विद्यार्थियों के परिणामों की शाला वार चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि कोई भी विद्यार्थी फेल नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने उपस्थित सभी प्राचार्यो से कहा कि आप एक टीम लीडर के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। नियमित टेस्ट, समय प्रबंधन एवं लिखने की कला विद्यार्थियों को सिखाएं ताकि अच्छे अंक प्राप्त हो सके। इसके लिए पूर्व वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व कराया जाए। कलेक्टर डॉ भुरे ने शिक्षा गुणवत्ता सुधारने के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो, इसके लिए जनप्रतिनिधियों से भी समन्वय बनाकर जागरूकता फैलाएं। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष बेहतर परिणाम सुनिश्चित हो। समय-समय पर स्कूल स्कूलों में विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जाए ताकि छात्रों का मानसिक विकास भी होता रहे। कलेक्टर ने कहा कि पिछले 2 वर्षों में कोरोना की वजह से तथा वर्तमान में स्ट्राइक की वजह से बच्चों का पढ़ाई बहुत प्रभावित हुआ है। प्राचार्य ने स्कूलों में शिक्षकों की कमी, बिल्डिंग, टॉयलेट, पानी आदि की समस्या भी बताया। कलेक्टर ने गंभीरता से सुनते हुए सभी आवश्यक उपाय भी सुझाए। इस अवसर पर जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ रवि मित्तल, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जिले में 13 से मनाया जाएगा शिशु संरक्षण माह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिलों में शिशु संरक्षण माह 13 सितंबर से 14 अक्टूबर 2022 तक आयोजित किया जाना है। इस अभियान के दौरान शिशु स्वास्थ्य संर्वधन से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गतिविधियों का सफल संचालन व सेवाओं की प्रदायगी का सुदृढ़ीकरण किया जाना है। शिशु संरक्षण की गतिविधियों में दी जाने वाली सेवाएं-विटामिन ए सीरप आईएफए सीरप, बच्चों का वजन, पोषण आहार की जानकारी, अति गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर पुर्नवास केंद्रों में भर्ती किये जायेंगे। शिशु संरक्षण माह के दौरान विटामिन ए का घोल 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों को मितानिन के माध्यम से गृह-भ्रमण सप्ताह में दो बार आईएएफ सीरप पिलायी जानी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के दिशा निर्देशन में एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.भानु पटेल के मार्गदर्शन रायगढ़ जिले में 13 सितंबर से 14 अक्टूबर 2022 तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रातः 9 से शाम 5 बजे तक शिशु संरक्षण माह मनाया जाएगा। इस दौरान सभी पालक 9 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों को विटामिन ए की खुराक 6 माह के अंतराल पर अवश्य पिलवायें, नियमित टीकाकरण से छूटे हुए बच्चे को टीके अवश्य लगवायें। 2 बार आयरन सिरप एवं गर्भवती माता के लिए 1 गोली प्रथम तिमाही के पश्चात दी जाएगी।

द मोबी वर्ल्ड

- हमारे याहं सेकंड हैंड मोबाईल की खरीद व बिक्री किया जाता है और नए मोबाईल का फायनेंस किया जाता है।
- मोबाईल का रिपेयरिग और एसेसीरिज पुराने फोन एक्सचेंज करें और नए फोन में

20% छूटपाएं

शॉप नं.-14, सरकारी स्कूल के बाजू में, नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई

मो.-7415686850, 7777888471

ॐ साईं राम

माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान

पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है

रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)

मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000

Arhum Electronics 9926100315

A Leela Electronics 9425507772

Reena Electronics 9329132299

Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 1055.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 1055.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आठ सितम्बर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2010.8 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 489.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 791.6 मिमी, बलरामपुर में 776.8 मिमी, जशपुर में 799.5 मिमी, कोरिया में 725.8 मिमी, रायपुर में 789.9 मिमी, बलौदाबाजार में 1016.2 मिमी, गरियाबंद में 1098.3 मिमी, महासमुंद में 1041.9 मिमी, धमतरी में 1166.7 मिमी, बिलासपुर में 1220.2 मिमी, मुंगेली में 1132.0 मिमी, रायगढ़ में 982.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1171.0 मिमी, कोरबा में 953.4 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 912.1 मिमी, दुर्ग में 893.9 मिमी, कबीरधाम में 963.4 मिमी, राजनांदगांव में 1030.5 मिमी, बालोद में 1143.7 मिमी, बेमेतरा में 633.1 मिमी, बस्तर में 1477.8 मिमी, कोण्डागांव में 1139.4 मिमी, कांकेर में 1358.0 मिमी, नारायणपुर में 1198.7 मिमी, दंतेवाड़ा में 1487.2 मिमी और सुकमा में 1135.6 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

रोजगार कार्यालय रायपुर में 12 सितंबर को प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने 12 सितम्बर को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित होगा। इसमे निजी क्षेत्र के नियोजक रिलायंस निप्पोन लाईफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड रायपुर द्वारा लाईफ प्लानिंग ऑफिसर के 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 30 से 45 वर्ष की विवाहित एवं स्नातक उत्तीर्ण महिलाओं की भर्ती होगी। नव अंकुर फाउंडेशन द्वारा कुक, पियुन, सिक्यूरिटी गार्ड, मार्केटिंग एक्सीक्यूटीव, टायपिस्ट, डिलीवरी ब्याय, हेल्पर आदि के 30 पदों पर 4थी से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। ओमकारा सॉल्यूशन्स, रायपुर द्वारा व्हीकल टेक्निशियन (गुजरात एवं पुर्ण प्लांट के लिए), सेल्समेन (सुमीत बाजार, रायपुर के लिए) के 650 पदों पर एवं लॉण्ड्रीहाउस रायपुर द्वारा स्टोर मैनेजर, डिलीवरी मैन, वॉशिंग मशीन ऑपरेटर, स्टीमऑयरन पर्सन के कुल 8 पदों पर योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। इन पदो के लिए आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पर उपस्थित होकर, साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है।

खेल में भी आगे बढ़ने एवं उपलब्धि हासिल करने की हैं असीम संभावनाएंः अनिला भेंड़िया

22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ

छत्तीसगढ़ी गीत की सुमधुर धुन पर विद्यार्थियों के साथ मंत्री, विधायक एवं अतिथि भी थिरके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंड़िया ने कहा है कि समाज के अन्य क्षेत्रों की भांति खेलकूद के क्षेत्र में भी व्यक्ति के आगे बढ़ने एवं उपलब्धि हासिल करने की असीम संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि पुराने समय में यह उक्ति प्रचलित थी कि 'पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब' किंतु आज हमारी खेल प्रतिभाओं ने मेहनत एवं लगन से खेल के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

मंत्री भेंड़िया बालोद के सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में आयोजित 22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त कर रहीं थी। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 11 सितम्बर तक 22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

मंत्री भेंडिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजारी-बालोद विधायक संगीता सिन्हा ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सोनादेवी देशलहरा, नगर पालिका परिषद बालोद के अध्यक्ष विकास चोपड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मिथिलेश निरोटी, जनपद पंचायत बालोद की अध्यक्ष प्रेमलता साहू, कृषि उपज मण्डी बालोद के अध्यक्ष भोलाराम देशमुख सहित कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। सुमधुर छत्तीसगढ़ी गीत 'हाय रे सरगुजा नाचें' के मधुर धुन पर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि भी विद्यार्थियों के साथ नृत्य में संगत करने से अपने आप को रोक नहीं पाए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने खेल ध्वज फहराया और राष्ट्रीय खिलाड़ी कु. शतिकीय दुबे ने खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में शामिल होने की शपथ दिलाई।

मंत्री भेंडिया ने प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए राज्य के कोने-कोने से आए सभी खिलाड़ी छात्र-छात्राओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने जीवन में खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग प्रतिभा देकर उन्हें विशिष्ट बनाया है। आवश्यकता है परिश्रम एवं लगन से उसे परिष्कृत एवं परिमार्जित करने की। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

22वें राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं के लिए रस्साकसी, थाई बॉक्सिंग, म्युथाई तथा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसमें राज्य के सभी 05 खेल जोनों के चयनित प्रतियोगी छात्र-छात्राएँ शामिल हो रहे हैं।

राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी की शासी परिषद की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी की शासी परिषद की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जल ग्रहण प्रबंधन क्षेत्र के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में वर्ष 2022-23 के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत राज्य जलग्रहण क्षेत्र हेतु 306 करोड़ रूपए की वार्षिक कार्य योजना का अनुमोदन किया गया। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव अन्बलगन पी. और कृषि विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी मौजूद थे।

राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी की शासी निकाय की बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि राज्य के किसानों को जलग्रहण परियोजनाओं से ज्यादा से ज्यादा फायदा हो इसके लिए कार्ययोजना में ऐसी सभी जरूरी कार्य शामिल करें। बैठक में भारत सरकार द्वारा जारी गाईड लाइन के अनुसार राज्य की जलग्रहण परियोजना के परिपेक्ष्य में रणनीतिक प्लान तैयार करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के कृषि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वन, राजस्व केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सिंचाई विभाग तथा नाबार्ड और केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड से तकनीकी सहयोग लिया जाए। परियोजनाओं के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों से आवश्यक डाटा प्राप्त किया जाए। बैठक में प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन के तहत विभिन्न आस्था मूलक कार्यों, क्षमता विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन फसल उत्पादन प्रणाली एवं आजीविका गतिविधियों के लिए वर्ष 2022-23 के लिए 306 करोड़ रूपए की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। बैठक में वित्त विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव एस. भारतीदासन और जलग्रहण प्रबंधन सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

हाट-बाजार क्लीनिकों में दूरस्थ गांवों और वनांचलों के 51 लाख से अधिक लोगों का इलाज

1824 हाट-बाजारों में लोगों की निःशुल्क जांच, उपचार और दवाईयां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 1824 हाट-बाजारों में लोगों की नि:शुल्क जांच, उपचार और दवाईयां छत्तीसगढ़ के वनांचलों और ग्रामीण इलाकों के हाट-बाजारों में स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों द्वारा 51 लाख 15 हजार 132 लोगों को इलाज मुहैया कराया गया है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से प्रदेश के 1824 हाट-बाजारों में क्लीनिक लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा योजना की शुरूआत के बाद से अब तक प्रदेश भर में कुल एक लाख दस हजार 988 हाट-बाजार क्लीनिक आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। योजना के अंतर्गत राज्य में 425 डेडिकेटेड ब्रांडिंग वाहन तथा चिकित्सा दलों के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में लोगों का इलाज किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 12 लाख 51 हजार 020 लोगों के उच्च रक्तचाप, 10 लाख 54 हजार 717 लोगों की मधुमेह, 4 लाख 09 हजार 439 लोगों की मलेरिया जांच, 2 लाख 76 हजार 727 लोगों की रक्त-अल्पता (एनीमिया) और एक लाख 614 लोगों में नेत्र विकारों की जांच की गई है। इन क्लीनिकों में 39 हजार 699 लोगों की टीबी, 15 हजार 631 लोगों की कुष्ठ और 30 हजार 147 लोगों की एचआईव्ही जांच भी की गई है। इस दौरान 75 हजार 978 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच भी की गई है। हाट-बाजारों में आयोजित क्लीनिकों में एक लाख 33 हजार 829 डायरिया पीड़ितों का भी उपचार किया गया है।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिकों के माध्यम से अब तक बालोद जिले में 2 लाख 52 हजार 66, बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 15 हजार 998, बलरामपुर-रामानुजगंज में 1 लाख 24 हजार 238, बस्तर में 1 लाख 28 हजार 82, बेमेतरा में 3 लाख 5 हजार 816, बीजापुर में 1 लाख 18 हजार 356, बिलासपुर में 2 लाख 82 हजार 338, दंतेवाड़ा में 1 लाख 11 हजार 616, धमतरी में 46 हजार 365, दुर्ग में 1 लाख 71 हजार 509, गरियाबंद में 2 लाख 19 हजार 597, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 88 हजार 741, जांजगीर-चांपा में 2 लाख 24 हजार 573 और जशपुर में 2 लाख 50 हजार 951 लोगों का इलाज किया गया है।

योजना के तहत कबीरधाम में 1 लाख 97 हजार 651, कांकेर में 1 लाख 84 हजार 572, कोंडागांव में 1 लाख 8 हजार 525, कोरबा में 1 लाख 42 हजार 801, कोरिया में 1 लाख 27 हजार 848, महासमुंद में 2 लाख 92 हजार 645 मुंगेली में 1 लाख 11 हजार 804, नारायणपुर में 47 हजार 150, रायगढ़ में 4 लाख 89 हजार 733, रायपुर में 1 लाख 38 हजार 38, राजनांदगांव में 3 लाख 6 हजार 9, सुकमा में 57 हजार 737, सूरजपुर में 3 लाख 17 हजार 113 तथा सरगुजा जिले में 1 लाख 53 हजार 260 लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

क्लीनिकों में शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण

हाट-बाजार क्लीनिकों में जरूरतमंदों को नि:शुल्क उपचार, चिकित्सकीय परामर्श और दवाईयां उपलब्ध कराने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा मलेरिया, एचआईव्ही, मधुमेह, एनिमिया, टीबी, कुष्ठ रोग, उच्च रक्तचाप और नेत्र विकारों की जांच भी की जा रही है। इन क्लीनिकों में शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है। हाट-बाजार क्लीनिकों में ओपीडी आधारित आठ प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जांच के बाद व्याधिग्रस्त पाए गए लोगों को नि:शुल्क दवाईयां भी दी जाती हैं। जिन मरीज़ों को उच्च स्तरीय जांच अथवा उपचार की आवश्यकता होती है उन मरीज़ो को हाट-बाज़ार क्लीनिक से सीधे स्वास्थ्य केंद्र में रिफर भी किया जा रहा है जिससे उनका सम्पूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

डेढ़ वर्षों में पांच हजार से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठानों की जांच, 10 लाख से अधिक की वसूली

रायपुर (ए)। एमआरपी से अधिक दाम में बेचने, प्रिंट में गड़बड़ी करने आदि मामलों को लेकर नापतौल विभाग द्वारा व्यापारिक संस्थानों की जांच लगातार जारी है। बीते डेढ़ वर्षों में विभाग द्वारा रायपुर क्षेत्र में 5,438 संस्थानों की जांच की गई और 166 मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही विभाग ने इनसे 10 लाख 67 हजार रुपये जुर्माना भी वसूल किया। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि गड़बड़ी करने वाले किसी भी कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। बताया जा रहा है कि कई मामलों को कोर्ट में भी ले जाने की तैयारी है।

उपभोक्ताओं की शिकायतों पर विभाग तत्काल कार्रवाई करता है। उपभोक्ता सीधे विभाग में जाकर गड़बड़ी की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान एमआरपी से ज्यादा में बिक्री वाली गड़बड़ी कम मिली, लेकिन अधिकांश कारोबारियों के पास सत्यापन रिपोर्ट नहीं मिली। साथ ही प्रिंट में गड़बड़ी मिली। जो 166 मामले दर्ज हुए, उनमें से 70 प्रतिशत में कारोबारियों के पास सत्यापन रिपोर्ट नहीं है।

एक अक्टूबर से नापतौल में नया नियम आ रहा है। इसके तहत खाद्य पदार्थों के पैकेट पर एमआरपी के साथ यूनिट प्राइस भी लिखनी होगी। पांच किलो के आटे के पैकेट पर पांच किलो के दाम के साथ ही प्रति किलो का दाम भी लिखना होगा।

मिठाइयों के पैकेट पर बनाने की तारीख के साथ एक्सपायरी तारीख भी लिखी होनी चाहिए। उपभोक्ताओं को यह ध्यान रखना होगा। पिछले वर्ष से ही यह नियम लागू हो चुका है।

मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी

फिर शुरू होगी डोंगरगढ़ दर्शन यात्रा, नि:शुल्क होगी बस सेवा

रायपुर (ए)। कोरोना काल के दो साल बाद फिर से नि:शुल्क डोंगरगढ़ दर्शन यात्रा पर ले जाए जाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शारदीय नवरात्र के पूरे नौ दिनों तक प्रतिदिन चार बसों से श्रद्धालुओं को राजधानी से डोंगरगढ़ स्थित बमलेश्वरी माता का दर्शन करने ले जाया जाएगा। यात्रियों को नाश्ता, भोजन की व्यवस्था समिति द्वारा नि:शुल्क की जाएगी। कालीमाता अन्नादान भंडारा समिति के अध्यक्ष दीपक भारद्वाज, पोल्ले ने बताया कि चार बस प्रतिदिन सुबह 9 बजे डोंगरगढ़ के लिए रवाना होगी। दर्शन के उपरांत रात्रि आठ बजे असी बस से श्रद्धालु वापस लौटेंगे। इसके बाद बस फिर रात्रि नौ बजे डोंगरगढ़ के लिए निकलेगी और दूसरे दिन सुबह आठ बजे वापस राजधानी पहुंचेगी। इस तरह एक बस दो बार प्रस्थान करेगी। चार बसों के कुल आठ फेरे लगेंगे। एक बस में 60 यात्री रवाना होंगे। एक बार में चार बसों में 240 यात्री जाएंगे। सुबह-रात दो बार में कुल 480 यात्री निश्शुल्क यात्रा कर सकेंगे।

नवरात्र के पहले दिन 26 सितंबर को अतिथिगण हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना करेंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

10 साल बाद री-रिलीज हुई धनुष की फिल्म 3

व्हाई दिस कोलावेरी डी इसी फिल्म का गाना था

कई फिल्में ऐसी होती है जिन्हें पहली बार ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिलता है। हालांकि वही फिल्में जब री-रिलीज की जाती है, तो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देती हैं। कुछ ऐसा ही धनुष की फिल्म 3 के साथ हुआ। दरअसल, साल 2012 में आई फिल्म 3 के तेलुगु संस्करण को धनुष के पिता और फिल्म निर्माता कस्तूरी राजा के जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया। दर्शकों के बीच इस फिल्म का रिस्पॉन्स बिल्कुल चौंका देने वाला रहा, शहर के ज्यादातर थिएटर हाउसफुल रहे। जिसे दखकर ट्रेड एनालिस्ट भी शॉक रह गए।

3 फिल्म का गाना था व्हाई दिस कोलावेरी डी

कस्तूरी राजा प्रोडक्शन में बनी फिल्म 3 ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही दुनिया भर में तहलका मचा दिया। फिल्म की आधिकारिक रिलीज के पहले ही व्हाई दिस कोलावेरी डी गाना लीक हो गया। गाना लोगों के बीच खूब चर्चित हुआ। मगर फिल्म को गाने की तुलना में कोई सफलता नहीं मिली। उस वक्त लोगों ने गाने को खूब एंजॉय किया, मगर सिनेमा में खास भीड़ नहीं दिखी।

10 साल बाद जब एक बार फिर 3 सिनेमाघरों में लगी, तो फिल्म को लेकर शॉकिंग रिस्पॉन्स देखने को मिला। बता दें कि फिल्म को केवल तेलुगु भाषी शहरों में री-रिलीज किया गया था, जहां 150 से ज्यादा सिनेमाघर हाउसफुल रहे। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियोज सुर्खियों में रहे जहां सिनेमाघरों में फैंस की भारी भीड़ देखने को मिली।

क्या है फिल्म की कहानी

3 एक युवा जोड़े की दुखद प्रेम कहानी है, जो मानसिक बीमारी के जीवन-बिखरने वाले परिणामों के बारे में बताता है। धनुष के अलावा इस फिल्म में इस फिल्म में श्रुति हासन और शिवकार्तिकेयन हैं। बता दें कि यह फिल्म पहली बार 30 मार्च 2012 को रिलीज हुई थी।

धनुष की रीसेंट फिल्म ने की रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई

धनुष की फिल्म तिरुचित्रम्बलम ने हाल ही में बॉक्स-ऑफिस पर दमदार कमाई की है। 30 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने अब तक 100 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। इसके अलावा साल 2022-2023 में नाने वरुवेन, कैप्टन मिलर, सर/वाथी जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। साल 2022 में ही धनुष अतरंगी रे में नजर आए थे, जिसमें उनके रोल को बेहद पसंद किया गया था।

तीन दशक के करियर में अक्षय ने किया 136 फिल्मों में काम

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार इन दिनों अपनी लगातार फ्लॉप होती फिल्मों की वजह से सुर्खियां बटोर रहे हैं। अपनी अदाकारी और फिटनेस के दम पर लाखों का दिल जीतने वाले अक्षय कुमार को इस समय आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन एक दौर था जब उन्हें हिट फिल्मों की गारंटी माना जाता था। साल 1991 में बॉलीवुड में फिल्म 'सौगंध' से डेब्यू करने वाले अक्षय को उस समय जरा अंदाजा नहीं होगा कि वह आगे चलकर लाखों-करोड़ों लोगों के पसंदीदा सितारों में शुमार होंगे। अपने तीन दशक से ज्यादा के करियर में अक्षय ने बॉलीवुड को लगभग 136 फिल्मों से नवाजा है, जिनमें से कुछ टिकट खिड़की पर ब्लॉकबस्ट रहीं, तो कई हिट का तमगा पाने के लिए तरसती रहीं। लेकिन अक्षय हमेशा से ही सिनेप्रेमियों के लिए सुपस्टार रहे हैं और आज यानी 9 सितंबर को लोगों का यही पसंदीदा सितारा अपना 55वां जन्मदिन मना रहा है। ऐसे में उनके जन्मदिन के मौके पर जानते हैं कि अपने करियर की शुरुआत से अभिनेता ने हर साल कितनी फिल्में की हैं और कौन से साल में ये आंकड़ा सबसे ज्यादा और सबसे कम रहा...

इस साल की सबसे ज्यादा फिल्में

साल 1994 अक्षय के करियर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इस साल अभिनेता ने पूरी 11 फिल्मों में अपनी अदाकारी का हुनर दिखाया था, जिनमें से पांच मूवीज बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थीं। इस साल अक्षय एलान, ये दिल लगी, जय किशन, मोहरा, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, इक्के पे इक्का, अमानत, सुहाग, जख्मी दिल, जालिम और हम हैं बेमिसाल में काम करते नजर आए थे। पांच फिल्में हिट होने के साथ ही साल 1994 में अक्षय की छह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी भी थीं। इनमें जय किशन, इक्के पे इक्का, अमानत, जख्मी दिल, जालिम और हम हैं बेमिसाल जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

2020 में की अपनी करियर की सबसे कम फिल्म

अपने तीन दशक से ज्यादा के करियर में अक्षय ने ढेरों फिल्मों में काम किया है। सिनेमा के पर्दे पर अपने अभिनय का जादू चलाने वाले अक्षय कुमार ने अपने पूरे फिल्मी करियर में सबसे कम फिल्मे साल 2020 में कीं। जी हां, इस साल अक्षय की सिर्फ एक ही फिल्म रिलीज हुई थी और वो भी ओटीटी पर। हम बात कर रहे हैं फिल्म 'लक्ष्मी' की और इस फिल्म को भी समीक्षकों से लेकर दर्शकों तक के निगेटिव रिव्यू मिले थे। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में अक्षय के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। ऐसा इस कारण से हुआ क्योंकि 2020 में भारत समेत पूरे विश्व में कोरोना संक्रमण फैला हुआ था, जिसके कारण फिल्मों की शूटिंग तो छोड़िए घरों से बाहर जाना तक पाबंदित था।

लगातार फ्लॉप के बाद इन फिल्मों में किस्मत आजमाएंगे अक्षय

अक्षय कुमार की रिलीज हुई पिछली चार फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धाराशाई हो चुकी हैं। चाहे इसमें मेगा बजट में बनी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' हो या फिर 'बच्चन पांडे' सभी को दर्शकों ने सिरे से नाकार दिया। लेकिन फिर भी अक्षय ने दर्शकों का मनोरंजन करना बंद नहीं किया। हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'कठपुतली' के बाद अब अक्षय इस साल दीवाली के मौके पर अपनी फिल्म 'राम सेतू' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की भिड़ंत बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की फिल्म 'थैंक गॉड' से होने वाली है। अब देखना यह होगा दर्शक 'राम सेतू' को कैसा रिस्पॉन्स देते हैं।

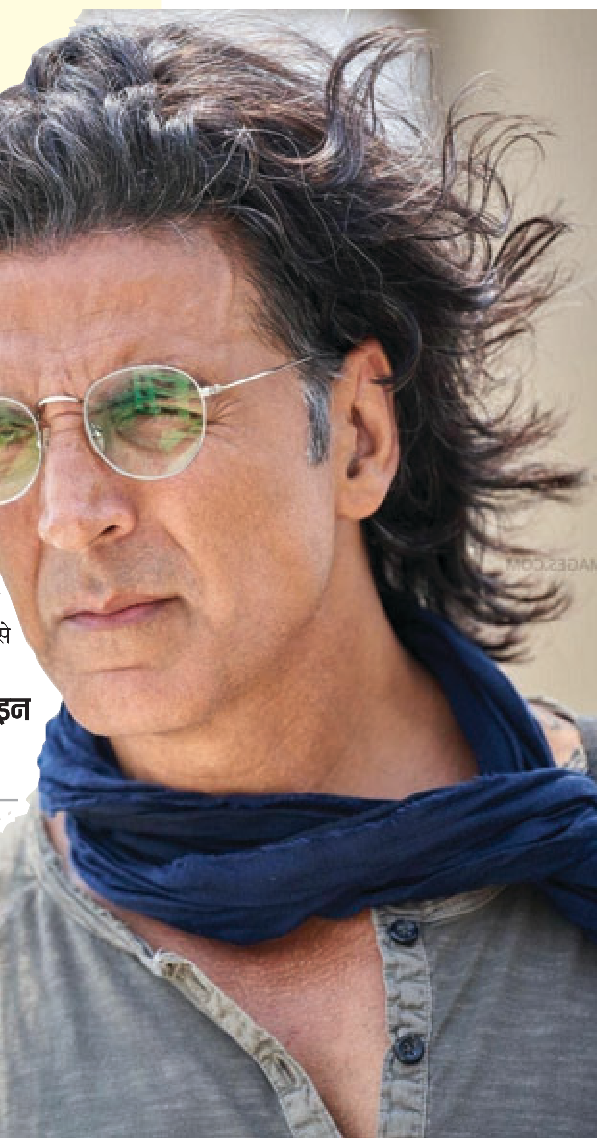

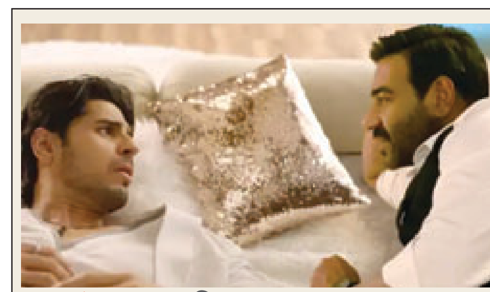

थैंक गॉडः चित्रगुप्त बनकर अजय देवगन ने दिखाया सिद्धार्थ मल्होत्रा को उनके कर्मों का आइना

सिद्धार्थ मल्होत्रा, अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म थैंक गॉड का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर देखकर क्लीयर हो गया है कि थैंक गॉड कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में अजय चित्रगुप्त का किरदार निभा रहे हैं जो सिद्धार्थ के अच्छे और बुरे कर्मों को उनके सामने लाते हैं। ट्रेलर की शुरुआत होती है सिद्धार्थ मल्होत्रा से जो गाड़ी ड्राइव कर रहे होते हैं और उनकी पत्नी यानी रकुल प्रीत सिंह का कॉल आता है। बात करते-करते सिद्धार्थ का एक्सीडेंट हो जाता है जिसके बाद दिखाया जाता है कि वह यमलोक में हैं और जिंदगी और मौत के बीच लटक रहे हैं।

क्या है ट्रेलर में

इसके बाद अजय जो चित्रगुप्त का किरदार निभा रहे हैं वह अजय को उनके कर्मों का आइना दिखाते हैं। अजय बताते हैं कि सिद्धार्थ अपनी पत्नी से जलते हैं, गुस्सा बहुत आता है और साथ ही वह दूसरी लड़कियों पर भी दिल हारते हैं। अजय वहीं चित्रगुप्त के किरदार में शानदार दिखे। कभी वह एंग्री यंग मैन नजर आते हैं तो कभी जॉली। फिल्म की कहानी काफी अलग है और साथ ही स्टोरी कॉमेडी है। त्यौहार के मौके पर ऐसी फनी फिल्मों को काफी पसंद किया जाता है। तो हो सकता है कि इस फिल्म को पसंद किया जाए।

सिद्धार्थ-अजय की पहली फिल्म

बता दें कि इस फिल्म के जरिए सिद्धार्थ और अजय पहली बार साथ में काम कर रहे हैं। वहीं रकुल के साथ वह तीसरी बार फिल्म कर रहे हैं। फिल्म में इन तीनों स्टार्स के अलावा नोरा फतेही भी हैं। हालांकि नोरा का फिल्म में एक स्पेशल गाना है बस। फिल्म को इंद्र कुमार डायरेक्ट कर रहे हैं जिन्होंने टोटल धमाल जैसी शानदार फिल्म बनाई है। ट्रेलर को शेयर करते हुए लिखा गया है, इस दीपावली होगा, सभी कर्मों का हिसाब।

थैंक गॉड की बात करें तो ये फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज हो रही है यानी कि 25 अक्टूबर को। बता दें कि इस फिल्म की अक्षय कुमार की फिल्म राम सेतु से बॉक्स ऑफिस पर टक्कर होगी। राम सेतु में अक्षय के साथ जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरुचा लीड रोल में हैं।

विराट कोहली के 71वें शतक पर अनुष्का शर्मा का पति को लेकर स्पेशल पोस्ट, कहा- हमेशा आपके साथ हूं

एशिया कप 2022 के सुपर 4 के मैच में विराट कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ122 रन की तूफानी पारी खेली। इस शानदार गेम के बाद विराट ने अपनी इस पारी को पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका को डेडिकेट किया। विराट ने मैच के बाद भी अनुष्का की काफी तारीफ की और बताया कि कैसे वह उनके मुश्किल समय में हमेशा उनके साथ रहीं। वहीं अनुष्का ने भी विराट के लिए स्पेशल पोस्ट किया है। अनुष्का ने विराट की भारतीय टीम की जर्सी में फोटोज शेयर की हैं। फोटोज शेयर कर अनुष्का ने विराट के लिए मैसेज भी लिखा है।

क्या है अनुष्का का मैसेज

एक्ट्रेस ने लिखा, 'किसी भी और हर चीज के माध्यम से हमेशा आपके साथ हूं।' इस पोस्ट पर विराट कोहली ने दिल वाले इमोजी पोस्ट किए हैं। वहीं फैंस के अलावा कई बॉलीवुड सेलेब्स ने भी अपना प्यार बरसाया है। वरुण धवन, श्रद्धा कपूर, रणवीर सिंह, अथिया शेट्टी और सोनाली बेंद्रे ने इस पोस्ट पर दिल वाले इमोजी पोस्ट किए हैं।

विराट ने क्या कहा

एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक विराट ने कहा, 'और मैंने अपनी रिंग को किस किया। आप मुझे यहां खड़े देख रहे हैं क्योंकि एक इंसान ने मेरे लिए चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखा और वह हैं अनुष्का। ये 100 उनके लिए और हमारी बेटी वामिका के लिए है। विराट ने आगे कहा, 'जब आपके साथ कोई होता है जो आपसे बात करता है और आपकी सिचुएशन को समझता है जैसे अनुष्का शर्मा रहीं तो आपको सपोर्ट मिलता है। जब मैं वापस आया तो मैं ज्यादा बेकरार नहीं था। 6 हफ्तों की छुट्टी ने मुझे रीफ्रेश किया। मैंने महसूस किया कि मैं कितना थक गया था। कॉम्पटीशन इसकी अनुमति नहीं देती है, लेकिन इस ब्रेक ने मुझे फिर से खेल का आनंद लेने की अनुमति दी।

अनुष्का की फिल्म

अनुष्का अब फिल्म चकदा एक्सप्रेस में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म झूलन गोस्वामी पर आधारित है। फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अनुष्का अपने करियर में पहली बार क्रिकेटर का किरदार निभा रही हैं। साथ ही वह लंबे समय बाद फिल्म में नजर आने वाली हैं। इससे पहले वह साल 2018 में फिल्म जीरो में नजर आई थीं जिसमे शाहरुख खान और कैटरीना कैफ भी लीड रोल में थे।

ब्रह्मास्त्र अलौकिक शक्तियों पर प्रेम की जीत की रोचक कहानी, रणबीर और आलिया ने जीते दिल

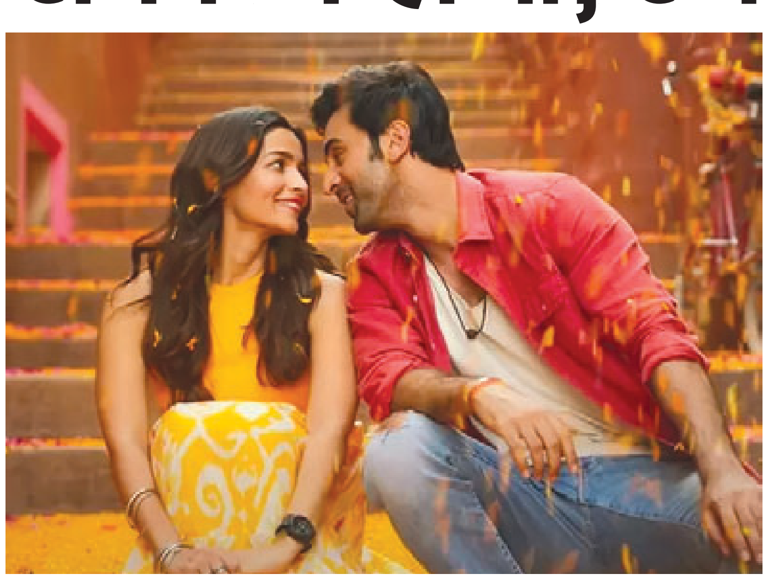

अलौकिक शक्तियों पर प्रेम की जीत की गाथा

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हिंदी सिनेमा के हाल के दिनों के सबसे चर्चित प्रेमी युगलों में से एक रहे हैं। दोनों के बीच प्रेम की जो लौ इस फिल्म की शूटिंग के दौरान जगी, इसकी झलक इस फिल्म में मिलती है। अगर आपने अमिताभ बच्चन-रेखा, धर्मेंद्र-हेमा मालिनी की फिल्में देखी हैं तो आपको कैमरे के सामने दोनों के चेहरे पर एक अलग नूर दिखता है। ये तेज प्रेम का है। रणबीर कपूर और आलिया के चेहरे पर भी ये नूर इस फिल्म में नजर आता है। और, संयोग एक ये भी है कि फिल्म के क्लाइमेक्स में प्रेम की शक्ति को किसी भी लौकिक या अलौकिक शक्ति से बड़ा बताने की व्याख्या भी है। प्रेम की इसी शक्ति को 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट टू देवा' आगे बढ़ाने वाली है। 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिवा' हिंदी सिनेमा का वह मौका है, जिसको अगर बहिष्कारों और घोर निंदकों से बचाया जा सका तो यह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स सरीखा एक अस्त्रवर्स हिंदी सिनेमा में रच सकती है। फिल्म पूरी तरह से खरी नहीं है लेकिन अगर मनोरंजन के हिसाब से देखें तो ये 'पृथ्वीराज' या 'शमशेरा' की तरह खोटी भी नहीं है।

मार्वल स्टूडियोज का सिनेमा कहें या हैरी पॉटर सीरीज व लॉर्ड ऑफ द रिंग्स सीरीज की फिल्में, इन सबके असर से बीते दो ढाई दशक में जवान हुई दर्शकों की ऐसी पूरी एक पीढ़ी तैयार हो चुकी है जिसने दादी, नानी से सुनी अपनी देसी कहानियों को ऐसे ही भव्य तरीके से परदे पर दिखाए जाने की हिंदी फिल्म निर्माताओं से आस लगा रखी है। ताज्जुब की बात ये है कि फिल्में बनाने की तकनीक के इतना उन्नत होने के बाद भी किसी हिंदी फिल्मकार का ध्यान अब तक इस तरफ गया ही नहीं। भारतीय दंतकथाओं में पौराणिक गाथाओं की तमाम कहानियां मुख्य कहानियों की क्षेपक कथाओं के रूप में आती है। ऐसी ही एक क्षेपक कथा सरीखी अयान मुखर्जी की 11 साल पहले सोची गई फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' तीन हिस्सों में बनना प्रस्तावित है। इस कहानी का पहला हिस्सा अयान ने फिल्म 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिवा' के रूप में बनाया है। इसकी अगली कड़ी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट टू देवा' की घोषणा भी फिल्म के क्लाइमेक्स में की है और जिस मोड़ पर आकर ये कहानी रुकती है, वहां इसके दूसरे भाग को देखने की दिलचस्पी दर्शकों में बनी रहती है।

ब्रह्मास्त्र की धुरी पर टिकी काल्पनिक कथा

हिंदू धर्म की पौराणिक गाथाओं में ब्रह्मास्त्र वह अस्त्र है जो चलाए जाने के बाद कभी चूकता नहीं है। यहां त्रेता युग की महागाथा कहती रामचरित मानस पढ़ने वालों को याद आएगा दोहा 'ब्रह्म अस्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह विचार। जौ न ब्रह्म सर मानऊं महिमा मिटइ अपार।।' फिर द्वापर में हुए महाभारत के युद्ध में भी इसका प्रयोग हुआ है। ये एक ऐसा अस्त्र है जो अचूक है। इसका प्रयोग बार बार हो सकता है। और, जब भी इसका प्रयोग होता है तो यह खाली नहीं लौटता। कुछ खुद इसके सामने नतमस्तक होकर पाश में बंध जाते हैं और कुछ को निशाने से हटाकर ब्रह्मास्त्र की दिशा भी बदल दी जाती है। अयान मुखर्जी का 'ब्रह्मास्त्र' फिल्मी है। इसकी कथा वर्तमान, अतीत और भविष्य में चलती है। कहानी का सिरा अयान सनातन काल से पकड़ते हैं और ब्रह्मास्त्र की उत्पत्ति से लेकर इसके रखवालों का गुप्त समुदाय बनाते हुए वर्तमान में वहां आते हैं, जहां धर्म और विज्ञान का मेल होता है वैज्ञानिक मोहन के रूप में। अंधेरे की रानी मोहन से कुछ रहस्य पता करती है और इनकी खोज के बीच से निकलती है शिवा और इशा की प्रेम कहानी।

अमेरिका में 'ब्रह्मास्त्र' की उत्सुकता

'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिवा' मैंने यहां अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर के पास वाल्ट डिज्नी के बसाए पहले डिज्नीलैंड के कस्बे के रूप में मशहूर शहर अनाहाइम में देखी। अनाहाइम में दुनिया भर के पर्यटकों को मेला लगना शुरू हो चुका है। शुक्रवार से यहां डी23 एक्सपो शुरू होने वाला है। हर दो साल पर होने वाले इस जलसे में हजारों की तादाद में पर्यटक आते हैं। और, इस साल इसकी खासियत ये भी है कि इसी के साथ डिज्नी की स्थापना के 100वे साल की शुरुआत हो रही है। 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिवा' भी डिज्नी की शाखा स्टार स्टूडियोज की ही फिल्म है। यह संयोग भी निराला ही है। डिज्नी की अंतर्राष्ट्रीय रिलीज की लिस्ट में शामिल रही 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिवा' को अमेरिका में देखना एक अलग एहसास इसलिए भी रहा क्योंकि यहां के सिनेमाघर में हिंदी सिनेमा के कुछ शौकीनों से भी मिलना हो गया।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XIth XIIth B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

निगम ने 35 किलो पॉलीथिन किया जब्त, इंद्रिरा मार्केट गोयल प्लास्टिक में की छापामार कार्यवाही

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर निगम बाजार विभाग व स्वास्थ्य विभाग अब पॉलिथीन के बेचने वालों को किसी भी तरह से रियायत देने के पक्ष में नहीं हैं। यही कारण हैं, कि कम मोटाई के पॉलीथिन प्रतिबंधित करने के बाद भी चोरी छिपे शहर भर में पॉलिथीन बाजारों में बिक रहा हैं नही बच पायेंगे निगम कि नजरो से स्वास्थ्य विभाग जावेद अली व बाजार अधिकारी थानसिंग यादव के नेतृत्व में शाम को शहर के इंद्रिरा मार्केट दुकानों पर पॉलिथीन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान इंदिरा मार्केट में स्थित पंकज ट्रेडर्स गोयल डिस्पोजल एवं जैन प्लास्टिक दुकान से 35 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त किया गया ससथ ही कड़ी चेतावनी दी गई। अभियान चेकिंग के दौरान इंद्रिरा मार्केट कुछ दुकानदार तो चेकिंग की भनक लगते ही दुकानों से पॉलिथीन और थर्माकोल के ग्लास व पत्तल हटा दिए स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने बताया, बाजार विभाग ईश्वर वर्मा,शशिकांत यादव,भुवंदास साहू व आदि के साथ गोयल डिस्पोजल दुकान की जांच के दौरान लगभग 35 किलोग प्रतिबंधित पॉलीथिन की जब्ती के साथ दुकानों के संचालक को सख्त जुर्माना की कार्यवाही वसूलने की चेतावनी दी।

पीएचसी रामभांठा में मिल रही लोगों को फिजियोथैरेपी की सुविधा

रायगढ़। कलेक्टर श्रीमती रानू साहू के दिशा-निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी के मार्गदर्शन में आज रायगढ़ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामभांठा में फिजियो थैरेपी दिवस आयोजित किया गया। रामभांठा हेल्थ सेंटर में लोगों को फिजियोथैरेपी के बेहतर लाभ दिये जाने की सुविधा दी जा रही है। जिससे आस-पास तथा शहरी क्षेत्र के लोग इसका बेहतर लाभ ले रहे है। आज फिजियो थैरेपी दिवस पर इसका लाभ लेने के लिये भारी मात्रा में लोग शामिल होकर अपना फिजियो थैरेपी करवाये। जहां गर्भवती महिलाओं को भी व्यायाम कराया गया एवं नवयुवकों को पुश अप और शारीरिक गतिविधि कराया गया। जहां वृद्ध लोगों को छड़ी वितरण किया गया। इस मौके पर रामभांठा हेल्थ वेलनेस सेंटर के सभी स्टॉफ ने भी अपना शारीरिक गतिविधि का प्रदर्शन कर फिजियोथैरेपी करने के लाभ से लोगों को जागरूक किया।

बीएसपी में ठेका श्रमिकों हेतु आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईआईएसएसएससी (इंडियन आयरन एंड स्टील सेक्टर स्किल काउंसिल) के साथ कौशल पहचान कार्यक्रम रिकॉग्निशन ऑफप्रायर लर्निंग (आरपीएल) के एक भाग के रूप में बीएसपी ने 06 सितम्बर 2022 को एसपी-2 और एसपी-3 विभागों के 30 प्रतिभागियों को कन्वेयर बेल्ट ऑपरेषन ट्रेड में प्रषिक्षित करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आईआईएसएसएससी के कंसल्टेंट डी वी रविशंकर ने आरपीएल प्रशिक्षण योजना के संरचना तथा प्रमाणन प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) एक कौशल प्रमाणन घटक है जो भारतीय युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशल प्रमाणन प्राप्त करने में सक्षम बनाते हुए उन्हें बेहतर आजीविका सुरक्षित करने में मदद करेगा। पूर्व में सीखने के अनुभव या कौशल वाले व्यक्ति खुद को पंजीकृत कर सकते हैं और प्रधानमंत्री कौषल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के आरपीएल घटक के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित हो सकते हैं। इसके ओरिएंटेषन अवधि 12 घंटे की होगी। इस ओरिएंटेषन में 4 घंटे का डोमेन-विशिष्ट प्रशिक्षण, 4 घंटे का सॉफ्ट स्किल्स और उद्यमिता पर प्रशिक्षण, 4 घंटे का सुरक्षा सावधानियों, भूमिकाओं और उत्तरदायित्व पर प्रशिक्षण शामिल है। इसके अतिरिक्त 4 घंटे की आवश्यकता इसके मूल्यांकन प्रक्रियाओं और परीक्षणों और मूल्यांकन के तरीकों के लिए जरूरी होगी। इस प्रकार संपूर्ण प्रशिक्षण 16 घंटे में पूरा किया जाएगा। इसके माध्यम से 1000 से अधिक ठेका श्रमिकों को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है। ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को इस योजना के तहत आईआईएसएसएससी (इंडियन आयरन एंड स्टील सेक्टर स्किल काउंसिल) के माध्यम से प्रमाणित किया जायेगा। प्रारंभिक चरण में आईआईएसएसएससी (इंडियन आयरन एंड स्टील सेक्टर स्किल काउंसिल) द्वारा आरपीएल प्रशिक्षण निम्नलिखित ट्रेडों में किया जाएगा, इनमें शामिल हैं सभी शॉप्सं के मोबाइल उपकरण ऑपरेटर, कन्वेयर बेल्ट मेंटेनेंस (सीएचएम), कन्वेयर मेंटेनेंस और मेंटेनेंस (एसपी-2, एसपी-3, ओएचपी और सीओसीसीडी), रिगर: भारी सामग्री का परिवहन (सभी शॉप्सं), बैटरी ऑपरेटर (सीओ एंड सीसीडी), रिफ्रेक्टरी ब्रिक लेयर (आरईडी तथा सीओ एंड सीसीडी)। बैटरी ऑपरेटर के अंतर्गत क्वेंचिंग कार ऑपरेशन, पुशिंग कार ऑपरेशन, कोल चार्जिंग मशीन का संचालन, डोर एक्सट्रैक्टर ऑपरेशन ट्रेड शामिल है। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एचआरडी एवं बीई) संजय धर ने आरपीएल प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया है और उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले वर्षों में हमें आरपीएल प्रशिक्षण पर विषेष केन्द्रित करना होगा जिससे अधिक से अधिक ठेका श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जा सके।

भारत-प्रशांत क्षेत्र व्यवसाय के लिए सुरक्षित और खुला रहेगाः पीयूष गोयल

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका के अपने दौर के दूसरे चरण को जारी रखेंगे तथा आज भारत-प्रशांत आर्थिक फोरम (आईपीईएफ), अमेरिका- भारत रणनीतिक साझीदारी फोरम (यूएसआईएसपीएफ) बैठक तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की व्यक्तिगत मंत्रालयी बैठक में भाग लेने के लिए लॉस एंजिल्स का दौरा करेंगे। इससे पहले, गोयल ने 'इंडायसपोरा' के साथ आयोजित लॉन्च के दौरान उनसे परस्पर बातचीत की।

बाद में, आईपीईएफ मंत्रालयी बैठक से पूर्व मीडिया के साथ परस्पर बातचीत करते हुए श्री पीयूष गोयल ने कहा कि आईपीईएफ में चर्चा सदस्य देशों के साथ एक-दूसरे की साझीदारी में काम करने के अवसरों को खोलने पर केंद्रित रहेगी जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विशेष रूप से, चुनौतियों और कठिन समय के दौरान आपूर्ति श्रृंखलाएं खुली रहें और देशों के व्यवसाय तथा लोग कोविड और संघर्ष जैसी अराजक स्थितियों के कारण प्रभावित न हों और भारत-प्रशांत क्षेत्र व्यवसाय के लिए सुरक्षित तथा खुला रह सके।

आईपीईएफ को एक नई तथा अनूठी पहल एवं नियम- आधारित, समान विचारधारा वाले देशों, जिनकी पारदर्शी आर्थिक प्रणालियां हैं, के बीच एक साझीदारी करार देते हुए श्री गोयल ने कहा कि आईपीईएफ यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि भारत-प्रशांत क्षेत्र व्यवसाय के लिए सुरक्षित और खुला रह सके।

इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हुए, श्री गोयल ने कहा कि आईपीईएफ मंत्रालयी बैठक में, चर्चाएं खुले व्यापार को सुगम बनाने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को खुली रखने पर केंद्रित रहेंगी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे आईपीईएफ देशों के साथ व्यापारिक संबंधों का विस्तार होगा, भारत से तथा भारत में, दोनों प्रकार के निवेशों में तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कल बैठक में भाग लेने वाले सभी देशों के पास व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी के मामले में एक-दूसरे को प्रस्तुत करने के लिए बहुत कुछ है और हम सभी मोर्चों पर मिल कर काम करेंगे। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री गोयल ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच बहुत अच्छे और मजबूत व्यापारिक संबंध हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है और कई भारतीय कंपनियां अमेरिका में अपनी समकक्ष कंपनियों के लिए बहुत काम करती हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से भारत में काफी निवेश हो रहा है।

यह देखते हुए कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के निकट आ रहे हैं, श्री गोयल ने कहा कि दोनों देशों के संबंध अब दो क्वाड- एक जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ तथा दूसरा इजरायल और यूएई के साथ- के माध्यम से दिनों दिन सुदृढ़ होते जा रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच 2 प्लस 2 मंत्रालयी संवाद मजबूत और जीवंत हैं तथा भू-राजनीतिक और संवेदनशील क्षेत्रों सहित कई क्षेत्रों में हमारे संबंध विस्तारित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के नेता, दोनों देशों की कंपनियां और दोनों देशों के लोग पहले की तुलना में अधिक निकट हैं।

पिछले आठ वर्षों में, संघर्ष, मुद्रास्फीति, मंदी के खतरे और महामारी और रिकॉर्ड एफडीआई की चुनौतियों के बावजूद 675 बिलियन डॉलर के बराबर के विदेश व्यापार जैसी अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए श्री गोयल ने विश्वास जताया कि विशाल बाजार, ईमानदार सरकार और पारदर्शी आर्थिक नीतियों, कानून प्रणाली, जीवंत मीडिया और न्यायपालिका के कारण भारत दुनिया के देशों के लिए एक पसंदीदा व्यापारिक साझीदार और निवेश गंतव्य बन गया है और भविष्य में भी ऐसा बना रहेगा।

नेहरू आर्ट गैलरी में दुजेन्द्र देशमुख की प्रदर्शनी उद्घाटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत नेहरू आर्ट गैलरी में दुजेन्द्र देशमुख द्वारा चारकोल से निर्मित पेटिंग्स की एकल प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 07 सितम्बर, 2022 को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता द्वारा संध्या 6.00 बजे किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन कर प्रदर्षनी का उद्घाटन किया और प्रदर्षनी का अवलोकन करने के पष्चात आगन्तुक पुस्तिका में व्यक्त अपने विचारों में चित्रों और कलाकार की सराहना करते हुए कहा कि शानदार संग्रह है। आयोजकों को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर भिलाई महिला समाज की अतिरिक्त उपाध्यक्ष श्रीमती नीरजा कुमारी सिंह, अतिरिक्त उपाध्यक्ष श्रीमती प्रणति मुखोपाध्याय, महासचिव श्रीमती रत्ना रानी डोकानिया, सहसचिव श्रीमती गिताली दत्ता, सहकोषाध्यक्ष श्रीमती मउ रे सहित भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन), एम एम गद्रे, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सीएसआर)एस वी नंदनवार, महाप्रबंधक (संपर्क प्रषासन एवं जनसम्पर्क) जेकब कुरियन, महाप्रबंधक एच शेखर, महाप्रबंधक प्रषान्त तिवारी सहित आर्टस् क्लब, भिलाई के पदाधिकारी और सदस्य तथा आर्टिस्ट दुजेन्द्र देषमुख के परिवार के सदस्य और इस्पात नगरी के कलाप्रेमी नागरिक उपस्थित थे।

बीएसएफ जवानों के लगाए पौधे से आईआईटी भिलाई में आएगी हरियाली

भिलाई के सिरसा कैंपस में पहुंचे बीएसएफ के एडीजी, लगाए पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसएफ के अधिकारियों और जवानों के लगाए हजारों पौधे से आईआईटी भिलाई का कैंपस हराभरा होगा। छत्तीसगढ में नक्सली अभियान के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को निभा रही बीएसएफ के कमांड मुख्यालय, नया रायपुर के अतिरिक्त महानिदेशक आशीष गुप्ता, आईपीएस पिछले दिनों सीमांत मुख्यालय भिलाई की विजिट में पहुंचे थे। उनके आगमन पर आईआईटी भिलाई के सिरसा कैंपस में पौधरोपण का कार्यक्रम रखा गया। एडीजी आशीष गुप्ता, के साथ फ्रंटीयर भिलाई के आईजी इंदराज सिंह , सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी और जवान एवं आई0आईटी भिलाई के स्टाफ और छात्रों ने मिलकर पौधे लगाए। इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक आशीष गुप्ता, ने कहा कि पर्यावरण ही पृथ्वी पर एकमात्र जीवन के अस्तित्व का आधार है।

इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है।

राजीव युवा मितान क्लब के पदाधिकारियों, सदस्यों को दिया गया द्वितीय चरण का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में गठित राजीव युवा मितान क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों को द्वितीय चरण का एक दिवसीय प्रशिक्षण आज गुरूवार को दिया गया तथा प्रशिक्षण के माध्यम से उनके कार्यो, दायित्वों आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। जिला क्रीडा अधिकारी व क्लब के पदेन सचिव रामकृपाल साहू तथा प्रशिक्षक घनश्याम वास के द्वारा यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस मौके पर निगम के उपायुक्त पवन वर्मा, जोन कमिश्नर अखिलेश शुक्ला, पार्षद बसंत चन्द्रा, पूर्व पार्षद गीता महंत, स्वास्थ्य विभाग के सिटी प्रोग्राम मैनेजर अशोक सिंह आदि उपस्थित थे।

यहाँ उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के वार्डो एवं ग्राम पंचायतों में राजीव युवा मितान क्लब गठित किए गए हैं, नगर पालिक निगम कोरबा के सभी 67 वार्डो में प्रत्येक वार्ड हेतु दो-दो मितान क्लब कूल 134 राजीव युवा मितान क्लब का गठन हुआ है।

क्लब के सदयों को 03 सितम्बर को प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया गया था, आज प्रियदर्शनी इंदिरा स्टेडियम परिसर स्थित राजीव गांधी आडिटोरियम टी.पी.नगर कोरबा में राजीव युवा मितान क्लब के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, कोषाध्यक्ष, सचिव तथा अन्य पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने हेतु गुरूवार को द्वितीय चरण का एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। जिला क्रीडा अधिकारी व क्लब के पदेन सचिव रामकृपाल साहू तथा प्रशिक्षक घनश्याम वास ने युवा मितान क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों के कर्तव्यों, दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्हें प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण देते हुए प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रत्येक क्लब अपने वार्डो में सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों तथा शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। प्रशिक्षकों ने युवा मितान क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों के मुख्य कार्य खेल, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियाँ तथा उनके कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला, भूमिका रेखांकित करते हुए उन्हें इस दिशा में अपने-अपने दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वहन करने का आव्हान किया। इस मौके पर मार्गदर्शिका पुस्तक पदाधिकारियों को उपलब्ध कराई गई तथा मार्गदर्शिका में उल्लेखित कार्यो व दायित्वों का तत्परता के साथ निर्वहन करने को कहा गया।

नगरीय क्षेत्र में एक दिवसीय डोर टू डोर टीकाकरण

सूरजपुर। राष्ट्रीय टीकाकरण महाअभियान अंतर्गत विश्रामपुर नगरीय क्षेत्र में एक दिवसीय डोर टू डोर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया गया। इस कार्यक्रम में घर घर जाकर कोविड टीके से वंचित लोगों को चिन्हित कर उनका टीकाकरण किया गया। अभियान में बूस्टर टीका सहित पहला, दूसरा कोविड टीका भी लगाया गया। कलेक्टर इफ्फ़त आरा के निर्देशानुसार राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों ने भी महाभियान में सहभागिता निभायी। राजीव युवा मितान क्लब की अध्यक्ष मिनाक्षी फिलिप की अगुवाई में क्लब सदस्यों ने टीकाकरण में लगे स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ घर-घर जाकर टीकाकरण के महत्व को समझाया। उससे जुड़े फायदे के विषय में जानकारी भी दी। वंचित लोगों को टीकाकरण हेतु प्रेरित किया।

खास-खबर

माना हत्याकांड के दो आरोपितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, फरार तीन की तलाश जारी

रायपुर (ए)। माना क्षेत्रांतर्गत विजेंद्र हत्याकांड में शामिल दो और आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब तक आठ आरोपितों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने प्रदीप चौहान और भीष्म उर्फ राजा शर्मा को गिरफ्तार किया है। फरार आरोपित तीन आरोपित रवि साहू, विक्रम बघेल और नोहर फरार हैं। टीम उनकी तलाश में जुटी है। आरोपितों के खिलाफ हत्या के साथ अपहरण, आपराधिक षड्यंत्र और बलवा की धारा जोड़ी गई है।

घटना पांच सितंबर माना थाना क्षेत्र की है। तीन कार में आए बदमाशों ने विजेंद्र उर्फ लल्ला को घर से बाहर निकाला और उसकी हत्या कर दी। पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ में सामने आया कि चार सितंबर को आरएस साहू रेस्टोरेंट एवं फैमली ढाबा में शराब के ज्यादा पैसा लेने की बात को लेकर माना बस्ती का विजेंद्र मारकंडे और उसके दोस्त संजय बंजारे से झगड़ा हुआ था। उसी झगड़े के कारण आरोपितों ने सबक सिखाने की ठानी।

अगस्त विभार, निताई मंडल, संजय तांडी, रोहित सागर, अभिषेक सोनी, नानक तनेजा, प्रदीप चौहान, राजा शर्मा, विक्रम, नोहर सुबह करीबन साढ़े आठ बजे तीन कार में माना बस्ती पहुंचे। वहां विजेंद्र (25) को घर से निकालकर कार में बैठाया और माना बस्ती बाजार चौक पर लाकर चाकू मारकर भाग गए। गंभीर रूप से घायल विजेंद्र की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने एक-एक कर पहले छह आरोपितों को घटना की रात ही गिरफ्तार कर लिया। वहीं दो आरोपितों की गिरफ्तारी गुरुवार को की गई। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहनों को जब्त किया है।

ब्वॉयफ्रेंड ने प्रेमिका के भाई का किया कत्ल: प्रेमी के घर में थी गर्लफ्रेंड, उसी समय भाई पहुंचा और हो गया झगड़ा

कोरबा (ए)। कोरबा में बहन के आशिक ने ही उसके भाई की जान ले लिया। युवती के भाई को उसका प्रेमी से मिलना-जुलना पसंद नहीं था। इस बात को लेकर पहले भी इनके बीच विवाद हो चुका था। बुधवार को फिर दोनों के बीच हाथापाई हुई और युवक ने भाई को चाकू मार दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पूरी घटना बांकीमोगरा थाना क्षेत्र के गजरा कुदरीपारा की है। बुधवार को लड़की अपनी सहेली के घर गई थी। उसे लेने के लिए जब उसका भाई कुलदीप वहां पहुंचा, तो समीर से उसकी मुलाकात हो गई। समीर, युवती का भाई था और दोनों के बीच प्रेम संबंध था। कुलदीप ने कई बार समीर को बहन से बात नहीं करने की चेतावनी दी थी। जब इन दोनों का आमना-सामना हुआ तो फिर कुलदीप ने उसे बहन से दूर रहने कहा। इसी पर विवाद बढ़ गया। दोनों के बीच हाथापाई होने लगी। शोर सुनकर समीर के परिजन और कुलदीप की बहन घर से बाहर निकली। समीर के परिजनों ने कुलदीप की पिटाई शुरू कर दी। इस बीच समीर ने कुलदीप पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर लड़की भी अपने भाई कुलदीप को बचाने के दौरान घायल हो गई।

घर में घुसकर जानलेवा हमला करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 31 जुलाई की रात आरोपी योगेश सेन, जनीराम व उसके अन्य साथी प्रार्थी रामकुमार साहू के घर में घुसे। प्रार्थी सहित उसके घरवालों से मारपीट कर वाहनों व खिड़की-दरवाजे में तोड़फोड़ कर घर के लोगों पर जानलेवा हमला कर हत्या का प्रयास किया। वारदात के बाद आरोपी खटियापाटी निवासी अजय ऊर्फ चूडामणी साहू पिता वीरेंद्र साहू (21) फरार चल रहा था, जिसे मुखबिर की सूचना पर बुधवार को गिरफ्तार किया।

नशीला कफ सिरप और कैप्सूल जब्त

नागपुर से आ रही कार से भारी मात्रा में नशे का सामान जब्त, 4 आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव जिले में गुरुवार को भारी मात्रा में नशीले कफसिरप और कैप्सूल के साथ 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। राजनांदगांव एसपी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर सोमनी पुलिस ने पूरी कार्रवाई की।

एसपी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने जानकारी दी कि जिले में लगातार नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। गुरुवार को सोमनी पुलिस को सूचना मिली कि नागपुर की ओर से आ रही लाल रंग की स्विफ्ट कार से प्रतिबंधित दवाओं का परिवहन किया जा रहा है। जिसके बाद नाकेबंदी कर सोमनी के पास संदिग्ध कार को रुकवाया गया। तलाशी लेने पर कार की डिग्गी में छिपाकर रखे गए कार्टन्स से 118 बोतल प्रतिबंधित कोडीन कोरेक्स कफ सिरप और 120 नशीली कैप्सूल बरामद की गई। कार सवार 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मेडिकल स्टोर से लाई जा रही थीं प्रतिबंधित दवाईयां

चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि दिल्ली के पहाड़गंज के पास एक मेडिकल स्टोर से प्रतिबंधित दवाईयां लाई जा रही थीं। आरोपियों ने कहा कि वे ये दवाईयां खुद के इस्तेमाल के लिए ला रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में सोहेल (23 वर्ष), शेख कासिम (24 वर्ष), समीर खोकर (23 वर्ष) और सज्जाद बेग (19 वर्ष) शामिल हैं। चारों आरोपी दुर्ग के रहने वाले हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीएसपी से लोहा चोरी कर छिपा रहे थे झाड़ियों में, ठेका सुपरवाइजर सहित 4 गिरफ्तार

9 मीट्रिक टन लोहा ब्लूम और ट्रक जब्त

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के अंदर से 2 लाख रुपए कीमत का लोहा चोरी करने वाले 4 लोगों को सीआईएसएफ के जवानों ने पकड़ा है। इसके बाद आरोपियों को भट्ठी पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9.960 मीट्रिक टन लोहा व ट्रक को जब्त किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भट्ठी टीआई केके कुशवाहा ने बताया कि गुरुवार को ट्रक चालक कुछ लोगों के साथ टीएनडी बिल्डिंग के पीछे गया था। वहां वो लोग झाड़ियों में लोहा ब्लूम को गिराने के बाद छिपा रहे थे। उनकी संदिग्ध गतिविधि के चलते सुरक्षा पर तैनात सीआईएसएफ के जवान विनोद बडोले और दीपांकर देव की नजर उन पर पड़ गई। जवान ने तुरंत टीम को बुलाया और घेराबंदी करके आरोपियों को पकड़ लिया।

ट्रक ड्राइवर योगेन्द्र यादव से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह अपने साथियों की मदद से यूआरएम से ब्लूम के टुकड़े लाया था। इस लोहे को वह एमआरडी के एफएसएनएल एरिया में खाली करने वाला था। इस लोहे के टुकड़ों को वह एफएसएनएल के यार्ड ना ले जाकर टीएनडी बिल्डिंग की झाड़ियों में छिपाने जा रहा था।

लोहे को छिपाने के लिए वहां पहले से एफएसएनएल के ठेका कर्मी सुपरवाइजर चंदन प्रकाश कुशवाहा अपने साथियों के साथ मौजूद था। वे लोग ट्रक में लोड ब्लूम लोहा को अनलोड कर झाड़ियों में छिपा रहे थे। इसी दौरान वह सीआईएसएफ की नजर में आ गए और पकड़े गए।

इन लोगों को किया गया गिरफ्तार

भट्ठी पुलिस ने आरोपी योगेन्द्र यादव (25 वर्ष) निवासी स्टेशन मरोदा, सेवाराम यादव (42 वर्ष) निवासी अहिवारा नंदिनी नगर, अशोक कुमार निर्मलकर (40 वर्ष) निवासी भाटापारा कुरूद और चंदन प्रकाश कुशवाहा (33 वर्ष) निवासी संतोषी पारा मिलन चौक को गिरफ्तार किया है।

करोड़ों की जमीन हड़पने का खेल फूटा, आधा दर्जन पर केस

रायपुर। रायपुरा में 29 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से अपने नाम करने के मामले में पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा लोगों पर चारसौबीसी का केस दर्ज किया है। जमीन मालिक की 2019 कोरोना से मौत के बाद रिश्तेदार और जमीन देखरेख करने वाले बुजुर्ग कारोबारी ने जालसाजों को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध करवा दिए। जमीन की रजिस्ट्री के बाद जब उसका नामांतरण करवाने की कोशिश की गई, तब जमीन मालिक के वंशजों को भनक लगी।

उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने जमीन की देखरेख करने वाले बुजुर्ग कारोबारी सहित जालसाजी में शामिल महिलाओं युवतियों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि चौबे कालोनी निवासी संकेत दफ्तरी ने रिपोर्ट दर्ज करवायी है कि करीब तीन साल पहले रतन भाई डागा की मौत के बाद कमलचंद जैन ने विक्रम भट्ट को उनकी रायपुरा स्थित जमीन के दस्तावेज उपलब्ध करवा दिए। उसी ने फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए।

चूंकि रतनभाई डागा की जमीन की देखभाल कमलचंद जैन करते थे, इसलिए उनके पास सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। दस्तावेज मिलने के बाद विक्रम भट्ट ने पूरी जमीन रामलाल को बेचने के फर्जी कागजात तैयार करवाए। उसके बाद उन कागजात से जमीन की रजिस्ट्री कमलचंद जैन, विक्रम भट्ट, करन नगपुरे उसकी दो बहनें व मां, देव पठारी, मनोज गोलछा, शिव सिंह, नीलेश और लोकेश जैन के नाम करवा दी गई। फरवरी-मार्च में जमीन के नामांतरण की अर्जी दी गई। उसी दौरान संकेत दफ्तरी को खबर लगी। उन्होंने पुलिस और जिला प्रशासन में इसकी शिकायत की।

जांच के दौरान फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हालांकि अभी केवल कमलचंद जैन की गिरफ्तारी की गई है। बाकी आरोपी फरार हैं। पुलिस के अनुसार विक्रम भट्ट पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड है। वह मूलत: बालाघाट है लेकिन कुछ अर्से से यहां आकर बस गया है। उसके खिलाफ तेलीबांधा और सिविल लाइन में पहले भी अलग-अलग मामलों में चारसौबीसी का केस दर्ज किया जा चुका है।

नाबालिग के अपहरण का मामला, भिलाई और बालोद के पांच युवक गिरफ्तार

भिलाई (ए)। यूपी के आजमगढ़ जिले में दो दिन पहले अपहरण के एक मामले में पुलिस ने भिलाई और बालोद के पशु और दूध व्यापारियों समेत ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। इनमें चन्द्रमोहन राव निवासी हाउसिंग बोर्ड, जयप्रकाश यादव निवासी गोरखपुर, महेन्द्र यादव निवासी गोरखपुर, जितेन्द्र यादव निवासी गोरखपुर और मुचकुन्द शुक्ला निवासी अम्बेडकर नगर यूपी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से दो कार भी जब्त की है। कार क्रमांक सीजी 07 बीजी 6600 के मालिक शशांक तिवारी निवासी डौंडी जिला बालोद के नाम से और सीजी सीडी 6649 वीरेंद्र यादव निवासी नंदिनी रोड पावर हाउस के नाम से रजिस्टर्ड है।

दोनों कार मालिक पशु खरीदने बेचने और दूध का व्यवसाय से जुड़े हैं। गिरफ्तार आरोपी दोनों कार मालिकों के रिश्तेदार है। सभी आरोपी मूलत: यूपी के आजमगढ़, अम्बेडकर नगर और गोरखपुर के रहने वाले है, लेकिन सभी अभी भिलाई में रहकर व्यवसाय करते है। यूपी पुलिस की पूछताछ में जालंधर पंजाब में एक चिकित्सक द्वारा इन बच्चों की खरीदी-बिक्री की भी बात सामने आई है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना वाले दिन आरोपियों को यूपी के महराजगंज के गांव देवारा कदीम हरनामपुरा के पास ग्रामीणों ने पकड़ा था। 12 वर्षीय सुनील अपने भाई सतीष के साथ स्कूल से दोपहर 2 बजे घर लौट रहा था। रास्ते में कार सवार आरोपी सुनील को मिले। आरोपियों ने बच्चे का अपहरण करने की कोशिश की। इस पर बच्चे ने शोर मचा दिया।

जिसके बाद गांव में मौजूद ग्रामीण इकट्ठे हो गए। ग्रामीणों ने घेराबंदी करके कार सवार पांचों आरोपियों को पकड़ लिया। नाराज भीड़ ने दो लोगों की जमकर पिटाई की। पुलिस ने बच्चे के पिता छन्नूलाल यादव की शिकायत पर सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 363 और 511 के तहत केस दर्ज कर लिया। इसके बाद सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है।

यूपी पुलिस से संपर्क करने से पता चला कि नाबालिग के अपहरण के मामले में भिलाई के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह भी पता चला है कि बच्चों का अपहरण करके गिरोह पंजाब के जालंधर में मानव तस्करी कर रहा है। गिरोह बच्चों के अंगों की तस्करी कर रहे है। डॉक्टर बच्चों के अंगों के 1 लाख रुपए तक दे रहे हैं। मानव तस्करी और अंगों को खरीद फरोख्त को ध्यान में रखकर जांच शुरु की गई। आरोपियों से पूछताछ की जाएगी।

-विशाल सोन, थाना प्रभारी छावनी (छग)

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला बेमेतरा, (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक-पुअ/बेमे/एसी-1/निविदा क्रमांक-19,20,21/2022-23 दिनांक 29.08.2022

पुलिस अधीक्षक, बेमेतरा द्वारा छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्मामि कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएं प्रपत्र-अ में निम्नानुसार ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति, जिसमें एक अमानत राशि व दूसरा निविदा प्रपत्र का लिफाफा होगा, निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये में	निविदाकारों की श्रेणी	कार्य की अवधि
19	01 थाना कोतवाली में नलकूप खनन हेतु	1.50	2,000	750	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी ''द'' अथवा उससे अधिक	01 माह
20	02 थाना थान-खम्हरिया में 01 नग बैरक निर्माण कार्य	9.00	6,750	750	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी ''द'' अथवा उससे अधिक	03 माह
21	03 थाना नांदघाट में 01 नग बैरक निर्माण कार्य	9.00	6,750	750	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी ''द'' अथवा उससे अधिक	03 माह

निविदा नि:शर्त मात्र निविदा बॉक्स में पुलिस अधीक्षक बेमेतरा के कार्यालय में दिनांक 16.09.2022 के 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी एवं प्राप्त निविदाओं को दिनांक 16.09.2022 के 4.00 बजे उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जावेगी। उक्त तिथि को शासकीय अवकाश या अपरिहार्य परिस्थिति में निविदा संबंधी कार्यवाही अगले कार्यदिवस को की जावेगी।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु वांछित राशि का चालान पुलिस अधीक्षक बेमेतरा के नाम से ''लेखा शीर्ष-0055 एम.पी.आर. उप शीर्ष-800 अन्य रिसिप्ट'' के नाम से स्वीकार्य होगा तथा निविदा प्रपत्र दिनांक 29.08.2022 से 16.09.2022 तक कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा से संबंधित अन्य जानकारी/शर्तें इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा एतद जानकारी निविदा फार्म में उपलब्ध करा दिया जावेगा।

जी-93900/3

पुलिस अधीक्षक,
जिला बेमेतरा (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

निगम क्षेत्र में अंनत चतुदर्शी के उपलक्ष्य में मांस बिक्री की दुकानें बंद रहेगी

दुर्ग। नगरीय निकाय विभाग,स्थानीय शासन विभाग के परिपत्र के अनुसार नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस विक्रय की दुकानें 9 सितम्बर को अंनत चतुदर्शी के उपलक्ष्य में बंद रखने के लिए आयुक्त प्रकाश सर्वे ने स्वास्थ्य विभाग व बाजार विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों दिए निर्देश दिए।संचालित समस्त पशु वध गृह मांस बिक्री की दुकानें द्वारा दुकान खोले जाने पर जब्त एवं जुर्माना की कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

महापौर ने प्रभारी के साथ की सफाई कार्यो की समीक्षा, व्यवस्था को लेकर कड़े गुणात्म सुधार के निर्देश दिये

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल ने अपने कक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर सफाई व्यवस्था को लेकर कड़े गुणात्म सुधार के निर्देश दिये। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी हमीद खोखर,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सुरेश भारती,प्रताप सोनी,मनोहर शिंदे,राजू सिंह,राजेन्द्र सराठे,रामलाल भट्ट,प्रदीप सोनी,राहुल आदि उपस्थित थे।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था में और ज्यादा ध्यान की जरूरत है, वार्ड 1 से लेकर शहर के आंतरिक वार्डो में भी साफसफाई को बेहतर बनाए। उन्होंने कहा सफाई विभाग के सभी कर्मचारी निर्धारित समय तक अपने कार्य में उपस्थित नहीं रहते, नाली नालों की नियमित रूप से सफाई निरन्तर करेंगे।रात्रिकालीन सफाई में भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है, वार्डो क्षेत्र के लोगों द्वारा सफाई नहीं होने की शिकायत की गयी है। पार्षदों सहित नागरिकों ने भी इस संबंध में शिकायत किये है। आप सभी स्वच्छता निरीक्षक, सफाई दरोगा सहित सुपरवाइर गंभीरता से कार्य करे। सफाई कार्य में लापरवाही बरतने वाले एवं अनुपस्थित कर्मचारी पर कड़ी कार्यवाही करे।महापौर बाकलीवाल ने सफाई व्यवस्था को सुधारने के सम्बंध में सभी 60 वार्डो में सफाई कार्य दायित्व का निर्वहन कर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व सफाई दरोगा से चर्चा की।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि प्रतिदिन निधारित समय तक गलियों, सड़कों व नालियों की सफाई करे, कचरा उठाये, डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य शतप्रतिशत करना सुनिश्चित करे।

कांग्रेस का हल्ला बोल

देश की चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने का हो रहा प्रयास - ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के नगर पालिक निगम रिसाली के कई वार्डों से होकर गुरुवार की सुबह भारत जोड़ो पद यात्रा पीसीसी महासचिव जितेंद्र साहू के नेतृवत में स्टेशन मरोदा के दुर्गा मंदिर से निकाली गई। जिसका समापन रुआबान्धा के दशहरा मैदान में हुआ।

पद यात्रा को सम्बोधित करते हुए गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि हमारे देश के कई राज्यों में केंद्र की सरकार के द्वारा चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। लोग भारत के लोकतंत्र के लिये ठीक नही है।

सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में बुधवार को भारत जोड़ो पद यात्रा जम्मू कश्मीर से निकली। जो कन्या कुमारी तक जायेगी। यह 150 दिन कि यात्रा 5 माह तक चलेगा। 190 लोग राहुल गांधी के साथ चल रहे है। गुरुवार से पद यात्रा शुरू हो गया है। साथ ही प्रतिकातमक रूप से कॉंग्रेस कई राज्यों व विधानसभा में यह यात्रा चला रही है। श्री साहू ने आगे कहा कि दिल्ली में महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने जबरदस्त हल्ला बोल का सफल आयोजन किया। यह सभी को जानकारी होना चाहिए कि पेट्रोल सहित अन्य खाद्य पदार्थो के दाम 9 साल पहले क्या था। और आज क्या है। जो महिलाएं घर का बजट चलाती है। वे त्रस्त व परेशान हो चूकी है।

पद यात्रा के कार्यक्रम को भिलाई जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष मुकेश चन्द्राकर ने भी सम्बोधित किया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के नगर पालिका निगम रिसाली में गुरुवार की सुबह स्टेशन मरोदा के दुर्गा मंदिर प्रांगण से भारत जोड़ो पद यात्रा शुरू हुई। जिसका नेतृत्व पीसीसी महासचिव जितेंद्र साहू ने किया। पद यात्रा में प्रमुख रूप से गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू पीसीसी महासचिव जितेंद्र साहू, जिलाध्यक्ष मुकेश चन्द्राकर,नगर पालिका निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर ब्लाक अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, महिला ब्लाक अध्यक्ष हेमिन चतुर्वेदी, पार्षद गोविंद चतुर्वेदी, चन्द्रभान ठाकुर, सनीर साहू, विलास बोरकर, सारिका साहू, सोनिया देवागन, ईस्वरी साहू, जहीर अब्बास, एल्डरमेन संगीता सिह, मोहम्मद निजाम, तरुण बंजारे, सध्या वर्मा, पूर्व पार्षद जितेंद्र साहू, राजेन्द्र रजक, शत्रुघ्न धनकर, प्रियंका गौतम, अमृत पाल टीटू, अजय मिस्त्रा,सोनू सोमनाथ यादव चन्दकान्त कोरे सहित अन्य कांग्रेस नेता कार्यकर्ता पार्षद व एल्डरमेन शामिल हुए।

पद यात्रा नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड न.18 दुर्गा मंदिर प्रांगण स्टेशन मरोदा से सुरु होकर। वार्ड 16 , 17 वार्ड 19, 20, 21 से मरौदा मौहारी मरौदा वार्ड 15 से वार्ड 13,14 मरोदा टैंक होते हुये, वार्ड 7,8 ,9,10 होते हुवे बी एस पी मार्केट रिसाली सेक्टर होते हुवे एच एस सी एल कॉलोनी से सेंट थामस कॉलेज के सामने से रुआबाँधा सेक्टर से रुआबांधा बस्ती में समापन हुआ।कार्यक्रम का सञ्चालन ब्लाक महामंत्री मुकुंद भाऊ ने किया।

आरक्षित वर्ग के लिए पंचायत में यदि आरक्षित वर्ग के नही है तो आरक्षण को अपवर्जन का अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को नही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । संभागायुक्त दुर्ग ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 13(7) के तहत आरक्षित वर्ग के लिए ग्राम पंचायत के लिए यदि उसी वर्ग के नही है तो ऐसे आरक्षण को अपवर्जित करने के लिए धारा 13 (7) में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अपवर्जन का अधिकार नही होने, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मध्य चक्रानुक्रम में परिवर्तन करने का अनुविभागीय अधिकारी को अधिकार नही होने का फैसला दिया है।

दरअसल बेमेतरा जिला के ग्राम पंचायत भनसुली एवं आश्रित ग्राम करंजिया में अनुसूचित जाति पद के लिए अनुसूचित जाति के कोई नही होने से सरपंच का पद खाली है और उपसरपंच को प्रभार दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा ने 31 मई 2022 को आदेश पारित कर छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की

ग्राम भनसुली के मामले में संभायायुक्त ने दिया आदेश

धारा 13 (2) तथा धारा 38 (ख) के अनुसार चक्रानुक्रम के तहत आरक्षण को परिवर्तन करने का आदेश दिया था, जिसका पुनरीक्षण संभागायुक्त के समक्ष भगवती प्रसाद साहू के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। कलेक्टर बेमेतरा के द्वारा भी 1.फरवरी.2022 को उभयपक्ष को सुनकर प्रकरण निराकरण के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा को आदेशित किया था। जिसके बाद अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा आदेश 31.05.2022 द्वारा 12मई .2022 के आदेश को यथावत रखा, कलेक्टर बेमेतरा द्वारा दोबारा अपील पेश होने पर इसे खारिज किया गया था। संभागायुक्त दुर्ग संभाग द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा के आदेश को निरस्त किया गया। प्रकरण में पुनरीक्षणकर्ता के अधिवक्ता पारस महोबिया तथा उत्तरवादी पक्ष के अधिवक्ता अवधेश श्रीवास्तव द्वारा भी तर्क प्रस्तुत किया गया।

महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में महापौर परिषद की हुई बैठक

छावनी चौक में स्थापित होगी शहीद चुम्मन यादव की प्रतिमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के एम. आई. सी. कक्ष में आज महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त लोकेश चंद्राकर तथा अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी की उपस्थिति में महापौर परिषद की बैठक संपन्न हुई। शहर सरकार की बैठक में शहीद चुम्मन यादव की प्रतिमा छावनी चौक में स्थापित करने को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

शीघ्र ही शहीद चुम्मन यादव की याद में छावनी चौक में प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उल्लेखनीय माननीय मुख्यमंत्री जी ने छावनी में आमसभा के दौरान इसकी घोषणा की थी। जिस पर तत्परता से शहर सरकार ने अमल करते हुए इस पर शीघ्रता से कार्य करने निर्णय लिया है।

इसके साथ ही महापौर परिषद की बैठक में निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों में पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य, जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य, जोन क्रमांक एक नेहरू नगर क्षेत्र अंतर्गत 7 एमएलडी क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य, हुडको में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य, नगर निगम भिलाई के नए लोगों/मोनो के सृजन के संबंध में, नगर पालिक निगम भिलाई के विभिन्न योजनाओं में रिक्त व्यवसायिक/ आवासीय/ आवासीय सह व्यवसायिक भूखंडों के आबंटन के संबंध में तथा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन उप विधियों 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में उचित निर्णय लिया है और कई विषयों को पारित किया है।

आज की बैठक में प्रमुख रूप से महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, साकेत चंद्राकर, मालती ठाकुर, सीजू एंथोनी, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, केशव चौबे, चंद्रशेखर गवई, मीरा बंजारे, आदित्य सिंह, रीता सिंग गेरा, लालचंद वर्मा एवं नेहा साहू मौजूद रही।

तृतीय लिंग समुदाय के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन, समुदाय ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत थर्ड जेंडर समुदाय के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आज हुआ। जिसमें समुदाय ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। तृतीय लिंग समुदाय के लोगों ने कहा कि यह एक अच्छा स्वास्थ्य शिविर है जिसमें हर प्रकार की सुविधा मौजूद है, तुरंत टेस्ट होने के साथ ही रिपोर्ट भी समय पर मिल जाती है और बीमारियों के कारणों का पता चलता है तथा दवाइयां भी ऑन द स्पॉट मिलती हैं। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर एवं अधीक्षण अभियंता बीके देवांगन भी मोबाइल मेडिकल यूनिट के स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे और स्वास्थ्य परीक्षण की चिकित्सकों से जानकारी ली। प्रशिक्षित चिकित्सक, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन का इसमें भरपूर सहयोग रहा। शिविर में 41 प्रकार के रक्त जांच की सुविधा मुहैया कराई गई। मुफ्त में स्वास्थ्य परीक्षण एवं इलाज करते हुए जरूरतमंद मरीजों को फार्मासिस्ट के माध्यम से फ्री में दवाई दी गई। आज तृतीय लिंग समुदाय के कई लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की मंशा अनुरूप महापौर नीरज पाल मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना का अधिक से अधिक लाभ लोगों को दिलाने विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950